सावन का पवित्र महीना आया,
भोले बाबा ने दर पर बुलाया।
हर हर महादेव का जयकारा हो,
सुख, शांति और समृद्धि का सहारा हो।
जल चढ़ाओ, मन को निर्मल बनाओ,
शिव की भक्ति में जीवन सफल बनाओ।
– डॉ. गुरतेज सिंह

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

शिव की कृपा आप पर बनी रहे, सावन में आपकी हर मनोकामना पूरी हो।

VOL-11 | ISSUE 213 | MONDAY 10-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

पीएसआईडीसी प्लॉट्स आबंटन की जाँच में देश का सबसे सम्मान जनक अवार्ड पाने वाले भी ED की राडार पर

पंजाब के उद्योग जगत में हड़कंप का माहौल , जमीन अलॉटमेंट की कन्वेंस डीड की शर्तों में छिपे है गहरे राज

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/9 अगस्त। ईडी की और से पीएसआईडीसी (पंजाब कोर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्प) के प्लॉटों की सेल परचेज में हुए घोटालों से सम्बंधित रेड तो चाहे समाप्त हो गई लेकिन इस रेड ने पंजाब के उद्योग जगत में हड़कंप का माहौल पैदा कर दिया है। मोहाली इंडस्ट्रियल प्लाटों की लेन देन से जुडी गड़बड़ियों की जाँच को लेकर से शुरू एऊकार्यवाही बेअंत सरकार के कार्यकाल में बड़े कारपोरेट घरानों को स्पेशल पर्पस के तहत अलॉट जमीनों तक पहुंच गई है। उधर इंडस्ट्रियल घरानों में घबराहट की मुख्य वजह एऊद्वारा जाँच को पीएमएलए मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत लिए जाने से है।

गौरतलब है की इंडस्ट्रियल घरानों को उनकी सब्मिट करवाई गई प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर ही मांग अनुसार जमीन अलॉट की गई थी। इसिली लिए किसी घराने को 100 एकड़ तो किसी को 20 एकड़ जमीन आसान किश्तों पर मिली थी जिसकी अलॉटमेंट लेटर में यह सपष्ट लिखा गया था की अलॉट की गई जमीन केवल सरकर को जमा करवाए गए प्रोजेक्ट अनुसार सम्बंधित इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के लिए ही इस्तेमाल की जा सकती है इसमें प्रोजेक्ट रिपोर्ट से हटकर किसी अन्य तरह की इंडस्ट्री भी नहीं लगाई जा सकती। वही अगर लगाई गई इंडस्ट्री कभी फेल हो जाती है तो भी यह सब्सिडाइज कीमतों पर अलॉट जमीन सरकार को वापिस चली जाएगी। वही अलाट जमीन की कन्वेंस डीड की शर्तों में जमीन के टुकड़े करने एवं उसे आगे बेचने की भी मंजूरी नहीं थी।

Vardhmān

HERO CYCLES

AVON CYCLES

RPIL
RITESH PROPERTIES AND INDUSTRIES LIMITED

किसी को मिल चूका है पद्म श्री तो पद्म भूषण का सम्मान

ईडी द्वारा जिन बड़ी उद्योगिक इकाइयों के खिलाफ विभागों को पीएमएलए मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जाँच के नोटिस निकालें गए हैं उनमें से कुछ एक के प्रमुखों को तो भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च सम्मान पद्म श्री से नवाजा जा चूका है। इनमें वर्धमान टैक्सटाइल समूह के श्रीपाल ओसवाल ,हीरो साईकल समूह के दिवंगत श्री ब्रज मोहन मुंजाल को पद्म भूषण और एवन साईकिल समूह के ओंकार पाहवा को पद्म श्री का सम्मान हांसिल है।

किसको कितनी जमीन हुई अलॉट

दरअसल, ईडी द्वारा जारी लेटर के मुताबिक छह कंपनियों का रिकॉर्ड मांगा गया है। जिसमें उनके नाम और अलॉट हुई जमीन की जानकारी भी दी गई है। इस मुताबिक एवन साइकिल लिमिटेड को 20 एकड़, वर्धमान एंड महावीर स्पिनिंग जनरल मिल्स लिमिटेड को 60 एकड़, रॉयल इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 20 एकड़, हीरे साइकिल लिमिटेड को 100 एकड़, ओसवाल फैट्स एंड ऑयल लिमिटेड को 100 एकड़, रितेश इंडस्ट्रीज लुधियाना को 40 एकड़ जमीन अलॉट हुई थी।

सरकार की तरफ से रॉयल इंडस्ट्रीज पर फोकल पॉइंट थाने में करवाई थी FIR

अलाट जमीन की कन्वेंस डीड की शर्तों की उलंघना करने पर वर्ष 2020 में लुधियाना जीएम डीआईसी ने रॉयल इंडस्ट्री के प्रमोटरों पर फिर दर्ज करवाई थी गौरतलब है की रॉयल इंडस्ट्री के प्रमोटर संधू परिवार ने मुंबई की गजीबो इंडस्ट्रीज को अपनी आधी जमीन बेच दी थी जब इसकी जानकारी विभाग को हुई तो उस समय के जीएम डीआईसी महेश खन्ना ने सरकार की और से वर्ष 2020 में फोकल पॉइंट थाने में रॉयल इंडस्ट्रीज और गाजीबो इंडस्टीज के खिलाफ फिर दर्ज करवाई थी ।

ग्लाडा से मांगा गया यह रिकॉर्ड

ईडी की और से ग्लाडा, हाउसिंग सहित सम्बंधित विभागों से ६ कंपनियों को अलॉट की गई जमीन और समय समय पर उससे सम्बंधित दिए गए अप्रूवल्स संबंधी रिकॉर्ड मांगा गया है। जिसमें यह रिकॉर्ड मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मांगा गया है। जिसमें उक्त कंपनियों को अलॉट की जमीनों के चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) और लेआउट को मंजूरी देने के दस्तावेज, क्या ग्लाडा द्वारा पहले लेआउट प्लान को मंजूरी देने के बाद लेआउट में कोई बदलाव किया गया था, क्या यह जांच की गई कि उक्त जमीन पर मालकी हक 60 प्रतिशत इंडस्ट्रियल जमीन विकसित करने की शर्त थी, उक्त कंपनियों की जमीनों की अलॉटमेंट से संबंधित नेट रेजिडेंशियल डेंसिटी देने के आदेश किए गए हैं।

विभिन्न राज्य सरकारों और अधिकारीयों पर भी गिर सकती है गाज

ईड़ी द्वारा जिन बड़ी इंडस्ट्रियल कंपनियों के खिलाफ पसीएस प्लाट होल्डरों के रूप में जाँच शुरू की है उसमें समय समय की राज्य सरकारों और आला अधिकारीयों पर भी गाज गिरने की चचाएं है क्योकि ग्लाडा , हाउसिंग या पोल्लुशन विभाग सभी के आला अधिकारियों ने उस समय की राज्य सरकारों के इशारे पर ही कानूनी दांव पेचों का इस्तेमाल कर प्रोजैक्टों को ग्रीन सिग्नल दिया था। इसलिए अब सभी ईडी के पीएमएलए कानून के तहत राडार पर आते प्रतीत हो रहे हैं।

32 करोड़ की जमीन से लैंड रोवर तक पहुंची ईडी की जांच

मोहाली/यूटर्न/09 अगस्त। पीएसआईईसी से जुड़े कथित औद्योगिक प्लॉट आवंटन मामले में जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे–वैसे नए कनेक्शन सामने आने की चर्चा तेज हो रही है। मोहाली से शुरू हुई प्रवर्तन निदेशालय की जांच अब सिर्फ जमीन आवंटन तक सीमित नहीं दिख रही। करीब 32 करोड़ रुपये की जमीन, करीब 200 करोड़ रुपये की मौजूदा बाजार कीमत और अब चंडीगढ़ नंबर की एक लैंड रोवर—इन तीनों कड़ियों ने पूरे मामले को और पेचीदा बना दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मोहाली के फेज–8ए फोकल प्वाइंट में करीब 250 एकड़ जमीन के आवंटन से जुड़े लाभार्थी हटिंदर पाल सिंह एक बार फिर ईडी की जांच के केंद्र में हैं। बताया जा रहा है कि वर्ष 2020 की नीलामी में उन्हें करीब 32 करोड़ रुपये की औद्योगिक जमीन आवंटित हुई थी। सूत्रों के अनुसार, करीब 5 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा कराने के बाद आवंटन प्रक्रिया आगे बढ़ी थी। इसके बाद हाईटेंशन तारों से जुड़े विवाद के चलते मामला अदालत तक पहुंचा। भुगतान के लिए कई बार समय सीमा बढ़ाई गई। इस दौरान करीब पांच साल तक जमीन आवंटी के कब्जे में रही। वहीं, इस अवधि में जमीन की बाजार कीमत बढ़कर करीब 200 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात कही जा रही है।

अब लैंड रोवर ने बढ़ाया मामला

पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा चंडीगढ़ नंबर की एक लैंड रोवर को लेकर हो रही है। सूत्रों का दावा है कि यह गाड़ी हटिंदर पाल सिंह के नाम पर पंजीकृत है। चर्चा यह भी है कि यह वाहन उस समय के पीएसआईईसी के वरिष्ठ अधिकारी सुरिंदर पाल सिंह यानी एस.पी. सिंह से जुड़ा रहा और कई बार उनके कार्यालय के आसपास आता–जाता देखा गया। यहीं से मामले में कथित गिफ्ट का एंगल भी जुड़ता है। सूत्रों के मुताबिक, लैंड रोवर को पीएसआईईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी को कथित तौर पर उपहार में दिए जाने के पहलू की भी जांच की जा रही है। हालांकि, इस दावे की ईडी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। न ही किसी अदालत ने इस संबंध में कोई निष्कर्ष दिया है। फिलहाल यह पहलू जांच के दायरे में बताया जा रहा है।

जमीन के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे

सूत्रों के अनुसार, ईडी अलग–अलग विभागों से जमीन के उपयोग में बदलाव यानी सीएलयू, आवंटन के बाद किए गए बदलाव और जमीन की मौजूदा स्थिति से जुड़े रिकॉर्ड भी जुटा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या लैंड रोवर की कड़ी इस कथित प्लॉट आवंटन मामले में कोई अहम सुराग साबित होगी? क्या कथित उपहार वाले पहलू से जांच में कोई बड़ा खुलासा होगा? और क्या ईडी की जांच इस पूरे कथित नेटवर्क की असली तस्वीर सामने ला पाएगी? फिलहाल जांच जारी है। आधिकारिक तौर पर किसी भी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया गया है और सामने आए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

CA संजीव वोहरा ने खोली CA करियर की नई राहें, टैक्स-ऑडिट के अलावा बैंकिंग-फाइनेंस में अवसर

आज जब Chartered Accountant (CA) का नाम सामने आता है तो ज्यादातर लोगों के दिमाग में इनकम टैक्स, ITR फाइलिंग और ऑडिट जैसे काम ही आते हैं। लेकिन उअ का प्रोफेशन इससे कहीं ज्यादा बड़ा और विविध है। लोन प्रोसेसिंग, क्रेडिट असेसमेंट, बैंकिंग सर्विसेज, IT-enabled Services और बैकएंड ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों में भी CA के लिए बड़े अवसर मौजूद हैं। इन्हीं बदलते अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की बारीकियों को समझने के लिए हमने बात की उअ संजीव वोहरा से। करीब 32 वर्षों के अनुभव वाले संजीव वोहरा ने अपने करियर के सफर, बैंकिंग सेक्टर में आउटसोर्सिंग के बढ़ते दायरे, क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल और लोन लेने वालों की आम गलतियों पर खुलकर बात की।

आमतौर पर CA का नाम सुनते ही टैक्स और ऑडिट का ख्याल आता है। क्या CA का प्रोफेशन इतना ही सीमित है?

बिल्कुल नहीं। CA का प्रोफेशन सिर्फ इनकम टैक्स और ऑडिट तक सीमित नहीं है। आज कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां उअ बेहतरीन अवसर तलाश रहे हैं और सफलता हासिल कर रहे हैं। IT-enabled Services इसका एक बड़ा उदाहरण है। कंपनियां अपने कई काम बाहरी एजेंसियों और वेंडर्स को आउटसोर्स करती हैं और यहां उअ के लिए काफी संभावनाएं हैं। इसलिए इस प्रोफेशन को केवल टैक्स और ऑडिट तक सीमित करके देखना सही नहीं होगा।

एक आम व्यक्ति के तौर पर हमें लगता है कि वित्त से जुड़ा कोई भी काम हो तो CA के पास जाना है– ITR, ऑडिट या प्रॉपर्टी वैल्यूएशन। आपका करियर इससे कितना अलग रहा?

मैंने 1994 में CA की पढ़ाई पूरी की और अपने करियर की शुरूआत की। उस समय उअ के सामने मुख्य रूप से टैक्सेशन और पब्लिक इश्यू यानी आज के IPO जैसे क्षेत्र थे। मैंने टैक्सेशन को चुना, लेकिन आगे चलकर हमने फाइनेंस सेक्टर में भी काम शुरू किया। 1994 में हमारी फाइनेंस कंपनी शुरू हुई। उस समय पंजाब में फाइनेंस कंपनियों का क्षेत्र अभी शुरूआती दौर में था। हमने बाहरी वेंडर के तौर पर वित्तीय सेवाएं देना शुरू किया। GE के साथ हमारा पहला बड़ा असाइनमेंट था, जिसमें लोन अप्रेजल और प्रोसेसिंग का काम शामिल था।

रिटेल लोन में ऑटो लोन, व्हीकल लोन, होम लोन, पर्सनल लोन, बिजनेस लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे कई क्षेत्र आते हैं। उस समय बैंकों के पास पर्याप्त स्टाफ नहीं था, इसलिए वे भरोसेमंद और योग्य वेंडर्स की तलाश में रहते थे। धीरे–धीरे हमें कई फाइनेंस कंपनियों के साथ काम करने का अवसर मिला। इसके बाद ICICI Bank के साथ बड़ा ब्रेक मिला और हम उनके रिटेल लोन प्रोसेसिंग के एक्सक्लूसिव वेंडर बने। इसके अलावा HDFC Bank, Yes Bank, DCB Bank, IDFC Bank और कई अन्य संस्थानों के साथ भी काम किया। आज हमारा नेटवर्क कई शहरों और राज्यों में फैला हुआ है।

जब आपने करियर शुरू किया था, तब आपने CA बनने का फैसला क्यों किया?

इसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देना चाहता हूं। पिछले साल ही उनका निधन हुआ। वह दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट थीं और चाहती थीं कि मैं CA बनूं। उनका मानना था कि MBA करने के बाद मुख्य रूप से नौकरी के विकल्प होते हैं, जबकि CA में नौकरी के साथ अपना प्रैक्टिस शुरू करने की स्वतंत्रता भी होती है। मेरे पिता बिजनेस में थे, लेकिन मेरी खुद की रुचि बिजनेस में नहीं थी। मेरी मां ने मुझे उअ बनने के लिए प्रेरित किया और उनके प्रयासों और आशीर्वाद की वजह से मैं आज यहां हूं।

आपके ऑफिस में कई ट्रॉफियां भी नजर आती हैं। इनका क्या कनेक्शन है?

मैंने अपनी जिंदगी में दो ही चीजें की हैं—पढ़ाई और खेल। मैं बचपन से बैडमिंटन खेलता रहा हूं और करीब 35 वर्षों तक इसे गंभीरता से खेला। मैंने नेशनल और स्टेट चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और कई बार राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा मुझे बिलियर्ड्स खेलने का भी शौक रहा। मेरे पिता सतलुज क्लब के संस्थापकों में से एक थे और हमारा परिवार कई पीढ़ियों से क्लब से जुड़ा रहा है। मैंने बिलियर्ड्स में भी राज्य स्तर पर तीन बार प्रतिनिधित्व किया। आज भी खेल मेरे जीवन का अहम हिस्सा है।

लोन लेने वालों को आपकी सबसे बड़ी सलाह क्या होगी?

लोन लेना आज आसान है, लेकिन उसका सही इस्तेमाल करना ज्यादा जरूरी है। अगर बिजनेस के लिए लोन लिया है तो उस पैसे का इस्तेमाल व्यक्तिगत जरूरतों के लिए नहीं होना चाहिए। उसे उसी काम में लगाना चाहिए जिसके लिए लोन लिया गया है।

हर लोन के साथ ब्याज का बोझ जुड़ा होता है। इसलिए अगर बिना लोन के काम चल सकता है तो अनावश्यक कर्ज लेने से बचना चाहिए। खासकर रिटेल लोन और क्रेडिट कार्ड में खर्च की एक सीमा तय करना बहुत जरूरी है।

अक्सर लोग दूसरों को देखकर खर्च करने लगते हैं। किसी के पास बड़ी कार है तो हमें भी बड़ी कार चाहिए, किसी के पास फार्महाउस है तो हमें भी चाहिए। जरूरतें बढ़ती जाती हैं और उनके साथ कर्ज का बोझ भी बढ़ता जाता है।

क्या क्रेडिट कार्ड वाकई एक जाल है?

इसके दो पहलू हैं। सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो क्रेडिट कार्ड काफी उपयोगी है। कैश लेकर चलने की जरूरत नहीं होती और यात्रा या अचानक आने वाली जरूरतों में यह बैकअप की तरह काम कर सकता है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब लोग जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगते हैं। कोई भी कंपनी मुफ्त में सेवा नहीं देती। बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनियां भी अपने कारोबार से कमाई करती हैं। मैं खुद कई क्रेडिट कार्ड कंपनियों के साथ वेंडर के तौर पर काम कर चुका हूं। मुझे भी अलग–अलग प्रोफाइल के आधार पर कई कार्ड मिले। एक कार्ड को 'लाइफटाइम फ्री' बताया गया था, लेकिन बाद में उसके स्टेटमेंट में ऐसे चार्ज दिखाई दिए, जिनके बारे में पहले स्पष्ट जानकारी नहीं थी। मैंने वह कार्ड तुरंत बंद कर दिया।

तो क्या लोगों को क्रेडिट कार्ड से पूरी तरह बचना चाहिए?

मैं पूरी तरह बचने की बात नहीं कहूंगा। जरूरत के हिसाब से और एक तय सीमा के भीतर इस्तेमाल किया जाए तो यह अच्छा वित्तीय टूल है। यात्रा के दौरान अचानक अस्पताल का खर्च या वाहन की मरम्मत जैसी स्थिति में यह मददगार हो सकता है। लेकिन गैर–जरूरी खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करना नुकसानदायक हो सकता है। समय पर भुगतान न करने पर भारी ब्याज और पेनल्टी लग सकती है। कई लोग बाद में कर्ज के जाल में फंस जाते हैं या डेट सेटलमेंट तक पहुंच जाते हैं। इससे आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और बाजार में आपकी वित्तीय छवि भी प्रभावित होती है। भविष्य में अगर आपको बिजनेस या किसी अन्य जरूरत के लिए लोन चाहिए तो परेशानी हो सकती है। मेरी सलाह यही है कि कर्ज को जरूरत और क्षमता के हिसाब से ही लें। क्योंकि लोन विकास का साधन जरूर है, लेकिन गलत इस्तेमाल किया जाए तो यही कर्ज आपके लिए बोझ भी बन सकता है।

तो क्या आप सीधे ग्राहकों को लोन देते हैं?

नहीं। हम सीधे ग्राहकों को लोन नहीं देते। हम बैंकों और वित्तीय संस्थानों के वेंडर और फैसिलिटेटर के तौर पर काम करते हैं। लोन डिस्बर्समेंट से जुड़ी प्रक्रिया के एक हिस्से को हम संभालते हैं।

आज के समय में इस क्षेत्र में कितनी संभावनाएं हैं?

संभावनाएं बहुत हैं, लेकिन यह आसान क्षेत्र नहीं है। इसके लिए नेटवर्क, मैनपावर और तेज टर्नअराउंड टाइम जरूरी है। हमने Vodafone, Vodafone Idea, Aircel, Airtel जैसी कंपनियों के साथ भी अलग–अलग बैकएंड और अन्य गतिविधियों में काम किया है। मेरा मानना है कि किसी भी नए क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपनी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना जरूरी है। जब आप किसी क्षेत्र में उतरते हैं तो धीरे–धीरे नए अवसर सामने आने लगते हैं और आप अपनी कमाई के नए रास्ते बना सकते हैं।

हेडमास्टर की हत्या...घर के बाहर कुल्हाड़ी और किरच से हमला, तीन दिन बाद अस्पताल में मौत

मोहाली/यूटर्न/09 अगस्त। कुंभड़ा सरकारी स्कूल के 48 वर्षीय हेडमास्टर गुरसेवक सिंह की रविवार सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। तीन दिन पहले खरड़ के सन्नी एन्क्लेव स्थित उनके घर के बाहर सफेद रंग की कार में आए अज्ञात युवकों ने उन पर कुल्हाड़ी और तेजधार किरच से ताबड़तोड़ हमला किया था। गंभीर रूप से घायल गुरसेवक सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी मौत के बाद पुलिस ने स्कूल टीचर हरप्रीत कौर

और उसके पति सरताज सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हरप्रीत कौर भी कुंभड़ा सरकारी स्कूल में तैनात हैं। पुलिस के अनुसार गुरसेवक सिंह अपने परिवार के साथ सन्नी एन्क्लेव में रहता था। करीब तीन दिन पहले वह घर के बाहर मौजूद था। इसी दौरान सफेद रंग की कार में कुछ युवक पहुंचे और उन पर कुल्हाड़ी व तेजधार हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी कार में बैठकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायल गुरसेवक को अस्पताल पहुंचाया गया।

लुधियाना प्रॉपर्टी डीलर मर्डर का नया वीडियो आया सामने

पहले गोलियां मारीं, फिर हथियार से हमला; करीब 7 घंटे जालंधर-दिल्ली हाईवे जाम

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। लुधियाना में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में एक नया वीडियो सामने आने से घटना को लेकर सनसनी बढ़ गई है। सामने आए वीडियो में हमलावरों द्वारा पहले गोलियां चलाने और इसके बाद हथियार से हमला करने का दावा किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और मामले को लेकर लोगों में भारी रोष देखने को मिला। हत्या के विरोध में मृतक के परिजनों और समर्थकों ने जालंधर–दिल्ली हाईवे पर जाम लगा दिया। बताया गया कि यह जाम करीब सात

मृतक हरजिंदर सिंह की फाइल फोटो

घंटे तक जारी रहा, जिससे हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नए वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस जांच के लिए यह अहम कड़ी माना जा रहा है। वीडियो में दिखाई देने वाले

हरजिंदर के दोस्तों पर फायरिंग करता हमलावर

घटनाक्रम और हमलावरों की पहचान को लेकर पुलिस स्तर पर जांच किए जाने की उम्मीद है। मामले में परिजन आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं घटना ने शहर की कानून–व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

एक साल बढ़ा ईडी डायरेक्टर राहुल नवीन का कार्यकाल...ईडी डायरेक्टर राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल बढ़ाया गया।

प्लॉट के नाम पर एनआरआई महिला से 84 लाख की ठगी, बिल्डर पर केस

32 लाख में चार प्लॉट का सौदा, निर्माण के नाम पर 52 लाख और लिए, जमीन की जगह निकला रास्ता

- एनआरआई विंग ने पांच साल पुरानी शिकायत दोबारा हुई रि-ओपन, जांच के बाद बिल्डर के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

मोहाली। खरड़ स्थित मां शिमला होम्स में चार प्लॉट दिखाकर एनआरआई महिला से 84 लाख रुपये ठग लिए। धोखाधड़ी करने के आरोप में थाना एनआरआई मोहाली पुलिस ने बिल्डर के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी की पहचान राधे सोनी मालिक हाईटेक बिल्डर मां शिमला होम्स देसू माजरा (सेक्टर-125) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में प्रॉपर्टी डीलर पुष्पिंदर शर्मा सहित अन्य लोगों की भूमिका जांच के दौरान देखी जाएगी।

तहसील में रिकॉर्ड देखने पर सामने आई अलग जमीन

शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2021 में भारत लौटने के बाद उसने खरड़ तहसील में अपनी रजिस्ट्री दिखाई। वहां रिकॉर्ड देखने के बाद उसे बताया गया कि रजिस्ट्री में दर्ज जमीन मां शिमला होम्स में नहीं बल्कि गांव संते माजरा में पड़ती है। इसके बाद उसने जमीन के कथित असली मालिक बलबीर सिंह से संपर्क किया। आरोप है कि बलबीर सिंह ने मौके पर जाकर उसे बताया कि जिस जमीन की रजिस्ट्री उसके नाम करवाई गई है, वह रास्तों की जमीन है। इसके बाद बलरूप कौर ने मामले की शिकायत एनआरआई विंग में की।

पहले शिकायत हुई थी बंद, आरटीआई से रिकॉर्ड लेकर दोबारा जांच की मांग

बलरूप कौर ने अपनी शिकायत में कहा कि उसने वर्ष 2021 में भी एनआरआई विंग में शिकायत दी थी। जांच के बाद इसे दीवानी विवाद बताते हुए दाखिल दफ्तर कर दिया गया था। बाद में आरटीआई के माध्यम से जांच से संबंधित दस्तावेज हासिल करने पर उसने आरोप लगाया कि जांच में राधे सोनी और जमीन के कथित मालिक को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने जून 2026 में एडीजीपी एनआरआई विंग के समक्ष शिकायत दोबारा खोलने की मांग की। अधिकारियों की जांच के बाद एडीजीपी एनआरआई विंग ने स्पीकिंग ऑर्डर जारी कर मामले की दोबारा जांच की मंजूरी दी।

चार प्लॉट का ३२ लाख में हुआ था सौदा

पुलिस को दी शिकायत में मोहाली सेक्टर-91 निवासी और वर्तमान में तंजानिया (विदेश) में रह रही बलरूप कौर ने आरोप लगाया कि प्रॉपर्टी डीलर पुष्पिंदर शर्मा के माध्यम से उसकी मुलाकात बिल्डर राधे सोनी से हुई थी। उस समय वह भारत में प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहती थी। आरोप है कि दोनों ने उसे मां शिमला होम्स खारड़ में प्लॉट नंबर 218, 219, 220 और 221 दिखाए। चारों प्लॉटों का सौदा 32 लाख रुपये में तय हुआ। शिकायतकर्ता के अनुसार उसे बताया गया कि उक्त जमीन की राधे सोनी के पास पावर ऑफ अटॉर्नी है और जमीन हर तरह से क्लियर है। इसके बाद 11 सितंबर 2018 को राधे सोनी ने कथित तौर पर जीपीए के आधार पर इन प्लॉटों की रजिस्ट्री बलरूप कौर के नाम करवा दी और 32 लाख रुपये ले लिए।

१२ फ्लैट बनाने के नाम पर ५२ लाख और लिए

बलरूप कौर ने आरोप लगाया कि इसके बाद 20 अगस्त 2018 को उसके और राधे सोनी के बीच निर्माण को लेकर समझौता हुआ। इसमें तीन मंजिला इमारत में कुल 12 फ्लैट बनाने की बात तय हुई थी। निर्माण की प्रगति के अनुसार भुगतान किया जाना था। शिकायत के मुताबिक निर्माण शुरू करने के लिए उसने 1 अक्तूबर 2018 को बिल्डर को बैंक के जरिये 52 लाख रुपये और दिए। आरोप है कि रकम लेने के बाद भी बिल्डर ने मौके पर कोई निर्माण नहीं किया। वह विदेश में बैठी शिकायतकर्ता को लगातार निर्माण शुरू करने का भरोसा देता रहा।

जांच के बाद बिल्डर पर एफआईआर

जांच अधिकारी इंस्पेक्टर हिम्मत सिंह दोबारा जांच के बाद थाना एनआरआई मोहाली की ओर से रिपोर्ट एडीजीपी एनआरआई विंग को भेजी गई। रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज करने की मंजूरी मिलने के बाद राधे सोनी के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत केस दर्ज कर लिया गया। जांच अधिकारी अनुसार प्रॉपर्टी डीलर पुष्पिंदर शर्मा सहित अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर तय की जाएगी। मामले की जांच अभी जारी है।

करोड़ों की ठगी आरोपों में बैक्स इंटरनेशनल और ट्रैकलैस ट्रैक्टर कंपनी के प्रमोटर प्रवीण दादू व दर्पण दादू गिरफ्तार

कोर्ट ने दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

लुधियाना /यूटर्न/09 अगस्त। ट्रैक्टर स्पेयर पार्ट्स कारोबार में मोटा मुनाफा दिलाने का भरोसा देकर करोड़ों रुपये निवेश करवाने के चर्चित मामले में थाना डिवीजन नंबर-8 पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैक्स इंटरनेशनल और ट्रैकलैस ट्रैक्टर कंपनी के प्रमोटर प्रवीण दादू और उनके बेटे दर्पण दादू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को पखोवाल रोड स्थित ओमैक्स रेजिडेंसी अपार्टमेंट्स से पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उन्हें

अदालत में पेश किया गया, जहां से दोनों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

कारोबारी गगन जिंदल की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में आरोप है कि पारिवारिक जान-पहचान का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने ट्रैक्टर स्पेयर पार्ट्स कारोबार में भारी मुनाफे का भरोसा दिलाया। शिकायत के मुताबिक वर्ष 2017 में जिंदल ने पहले करीब 26 लाख रुपये निवेश किए। शुरूआती दौर में करीब 4.35 लाख रुपये मुनाफा मिलने से उनका भरोसा और बढ़ गया।

आरोप है कि इसके बाद वर्ष 2021-22 के दौरान उनसे अलग-अलग समय पर बड़ी रकम निवेश करवाई गई। एफआईआर में कुल करीब 3.27 करोड़ रुपये लेने और लगभग तीन करोड़ रुपये बकाया रखने का आरोप लगाया गया है।

मामले में दर्पण दादू की पत्नी भी नामजद हैं। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 316(2), 318(4) और 61(2) के तहत केस दर्ज किया है। रिमांड के दौरान पुलिस बैंक खातों, सिक्योरिटी चेक, निवेश की रकम और कथित वित्तीय लेनदेन की पूरी कड़ी खंगालने में जुटी है।

लुधियाना में आर्किटेक्ट्स की पैनल चर्चा, एआई और ग्रीन बिल्डिंग पर मंथन

बिजनेस ऑफ आर्किटेक्चरझ्फ्रॉम डिजाइनर टू एंटरप्रेन्योर विषय पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। शहर में 'बिजनेस ऑफ आर्किटेक्चर-फ्रॉम डिजाइनर टू एंटरप्रेन्योर' विषय पर आर्किटेक्ट्स की पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से आर्किटेक्चरल क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर पेशे की बदलती जरूरतों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए।

पैनल चर्चा में आर्किटेक्ट वरुणेश कुमार, विक्रम लिखी, कावनीत ग्रोवर, अर्पण अग्रवाल और विवेक सहगल शामिल रहे। चर्चा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव, ग्रीन बिल्डिंग स्टैंडर्ड्स,

पेशेवर चुनौतियों तथा डिजाइन से उद्यमिता की ओर बढ़ने जैसे विषयों पर मंथन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आर्किटेक्ट पूजा वमार्नी ने किया,

जबकि अतिथियों का स्वागत आर्किटेक्ट आंचल और रिद्धि ने किया।

कार्यक्रम में प्रितपाल सिंह अहलूवालिया, संजय गोयल और राजन टांगरी सहित कई वरिष्ठ आर्किटेक्ट्स भी मौजूद रहे।

समापन संबोधन में प्रितपाल अहलूवालिया ने युवा आर्किटेक्ट्स से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने पेशेवर नैतिकता, सामूहिक विकास और निरंतर सीखने को सफलता के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम का समापन लाइव संगीत, रात्रिभोज और नेटवर्किंग के साथ हुआ।

करोड़ों गरीबों तक राशन पहुंचाने वाले राशन डिपो धारकों की आर्थिक हालत चिंताजनक

अंबाला/यूटर्न/09 अगस्त। देश के करोड़ों गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी राशन पहुंचाने वाली सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ढळ्र) की सबसे महत्वपूर्ण जमीनी कड़ी माने जाने वाले राशन डिपो धारक आज खुद आर्थिक संकट से जूझने को मजबूर हैं। सरकारें खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए हर वर्ष बड़ी धनराशि खर्च कर रही हैं, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि इस पूरी व्यवस्था को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने वाले डिपो धारकों को उनकी मेहनत का उचित मेहनताना कब मिलेगा? राशन डिपो धारक वर्षों से अपने कमीशन में सम्मानजनक बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के मौजूदा दौर में दुकान का किराया, बिजली बिल, इंटरनेट, श्रमिकों का वेतन, परिवहन, ई-पॉस मशीनों का रखरखाव और अन्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसके बावजूद कई जगह कमीशन में वर्षों बाद महज 10 या 20 पैसे प्रति किलो जैसी मामूली बढ़ोतरी की जाती है।

कमीशन बढ़ा, लेकिन खर्च उससे कई गुना बढ़ गया

डिपो धारकों का कहना है कि राशन वितरण का काम अब पहले की तुलना में कहीं अधिक तकनीकी और जिम्मेदारी वाला हो गया है। ई-पॉस मशीन, ऑनलाइन रिकॉर्ड, स्टॉक का हिसाब, लाभार्थियों का सत्यापन और नियमित वितरण जैसी जिम्मेदारियां डिपो धारकों को निभानी पड़ती हैं। इसके बावजूद कमीशन का निर्धारण वास्तविक खर्चों और महंगाई के अनुरूप नहीं किया गया है। डिपो धारकों का तर्क है कि यदि सरकार चाहती है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली पारदर्शी और प्रभावी तरीके से चले, तो इस व्यवस्था के संचालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना भी जरूरी है।

80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचता है राशन

देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से करोड़ों लाभार्थियों तक खाद्यान्न पहुंचाया जाता है। राशन डिपो धारक इस पूरी व्यवस्था को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका काम केवल अनाज बांटना नहीं, बल्कि स्टॉक संभालना, रिकॉर्ड बनाए रखना, मशीनों का संचालन और लाभार्थियों को समय पर राशन उपलब्ध कराना भी है। डिपो धारकों का कहना है कि सरकार की खाद्य सुरक्षा योजनाओं की सफलता का श्रेय केवल नीतियों को नहीं, बल्कि उन हजारों-लाखों लोगों को भी मिलना चाहिए जो कठिन परिस्थितियों में जमीन पर इन योजनाओं को लागू करते हैं।

सरकार से चार प्रमुख मांगें

डिपो धारकों की मांग है कि उनका कमीशन वर्तमान महंगाई और वास्तविक संचालन लागत के आधार पर तय किया जाए। साथ ही कमीशन में सम्मानजनक और नियमित बढ़ोतरी हो। किराया, बिजली, इंटरनेट, लेबर और मशीन रखरखाव जैसे खर्चों की उचित व्यवस्था हो। डिपो धारकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।आर्थिक शोषण समाप्त कर उन्हें सम्मानजनक और टिकाऊ आय उपलब्ध कराई जाए।

अब सरकार के फैसले का इंतजार

डिपो धारकों का कहना है कि वे वर्षों से सरकार की खाद्य सुरक्षा योजनाओं को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। ऐसे में उनकी मांग किसी विशेष सुविधा की नहीं, बल्कि उचित मेहनताना और सम्मानजनक जीवन की है।

अब बड़ा सवाल यही है कि जो लोग देश के करोड़ों गरीब परिवारों का पेट भरने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं, उनके परिवारों के पेट की चिंता कब की जाएगी? डिपो धारकों को उम्मीद है कि केंद्र और राज्य सरकारें उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कमीशन में व्यावहारिक बढ़ोतरी, संचालन खर्चों की भरपाई और समय पर भुगतान को लेकर जल्द ठोस निर्णय लेंगी।

पंचकूला की सीआईए 26 की टीम में दो अलग अलग मामलों में शराब तस्कर गिरफ्तार

एक तस्कर फ्रूट की क्रेट रखकर नीचे शराब की बोतले लेकर जा रहा था। तो दूसरा अखबार रखकर नीचे शराब की बोतले लेकर जा रहा था। दोनों पुलिस की गिरफ्त में

पंचकूला/यूटर्न/09 अगस्त। पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्राइम ब्रांच-1 की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ से उत्तराखंड में अवैध शराब की सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब और तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन बरामद किया है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह के अनुसार, क्राइम ब्रांच-1 की टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक महिंद्रा पिकअप वाहन में चंडीगढ़ से अवैध अंग्रेजी शराब लोड कर उत्तराखंड की ओर ले जाई जा रही है।

- चंडीगढ़ से उत्तराखंड ले जाई जा रही अवैध अंग्रेजी शराब से भरी पिकअप पकड़ी, 25 पेटी बरामद, अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, अदालत से 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल

बाइक को बचाने के चक्कर में खेत में जा घुसी कार, मचा हड़कंप

बराड़ा/मुलाना/यूटर्न/09 अगस्त। बराड़ा क्षेत्र के हनुमान मंदिर के पास दोसड़का में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कार बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसी। हादसे के दौरान कार में महिला चालक के होने की बात स्थानीय लोगों द्वारा बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर बाइक को बचाने के प्रयास में कार चालक ने अचानक वाहन को मोड़ दिया। इसी दौरान कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे लगी सब्जी की दुकान के पास से होती हुई खेत में जा घुसी। हादसे के समय आसपास लोगों की मौजूदगी के कारण मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाल-बाल बची सब्जी की दुकानबताया जा रहा है कि जिस स्थान पर कार अनियंत्रित होकर खेत में उतरी, उसके पास ही सब्जी की दुकान लगी हुई थी।

अम्बाला से अनंतनाग भेजे चावल के दो वैगन, रेलवे को 1.33 लाख की आय

जम्मू-कश्मीर में खाद्यान्न की निर्बाध आपूर्ति और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने में रेलवे की अहम पहल

आर. के. उप्पल

अम्बाला/यूटर्न/09 अगस्त। जम्मू-कश्मीर की कश्मीर घाटी में खाद्यान्न की निर्बाध आपूर्ति और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रेलवे लगातार माल परिवहन को प्रोत्साहित कर रहा है। इसी कड़ी में अम्बाला छावनी माल गोदाम से जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के लिए चावल के दो वैगन रवाना किए गए हैं। इस लदान से अम्बाला मंडल को लगभग 1.33 लाख रुपये की आय होने की उम्मीद है।

स्थानीय व्यापारियों को रेलवे से जोड़ने पर जोर...उत्तर रेलवे का अम्बाला मंडल अम्बाला और आसपास के क्षेत्रों के लघु उद्यमियों एवं व्यापारियों के माल को रेलवे वैगन के माध्यम से कश्मीर घाटी तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसके तहत माल ढुलाई से संबंधित सुविधाओं और विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी व्यापारियों एवं भाड़ा ग्राहकों तक पहुंचाई जा रही है।

अप्रैल से जून तक सात वैगन जैविक खाद भेजी...मंडल के अनुसार, अप्रैल से जून 2026 के दौरान अम्बाला छावनी माल गोदाम से अनंतनाग के लिए जैविक खाद के कुल सात वैगन सफलतापूर्वक भेजे गए। इसके अलावा निजी पार्टी का चावल भी तीन वैगनों के माध्यम से अनंतनाग और पंपोर भेजा गया।

सड़क परिवहन की तुलना में किफायती विकल्प....रेलवे के माध्यम से माल परिवहन न केवल व्यापारियों के लिए किफायती है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी अधिक अनुकूल माना जाता है। इस पहल से रेलवे की आय बढ़ाने के साथ-साथ सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी।

सुरक्षित और समयबद्ध माल परिवहन के लिए प्रतिबद्ध रेलवे...अम्बाला मंडल ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप बेहतर माल परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने, नए माल यातायात स्रोत विकसित करने और ग्राहकों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के लिए रेलवे लगातार प्रयासरत है।

पेज 12 रूस ने भारत के लिए सीधी रेल लाइन का प्रस्ताव...

अवैध रेहड़ियों पर नगर निगम की कार्रवाई, 55 रेहड़ियां जब्त

चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर में अवैध वेंडिंग और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। रविवार को निगम की प्रवर्तन टीमों ने सेक्टर-27, सेक्टर-26 आउटर मंडी, सेक्टर-30 और नया गांव बैरियर सहित विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया।

इस दौरान सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और पैदल चलने वाले मार्गों पर अवैध रूप से रेहड़ियां लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 55 रेहड़ियां जब्त की गई। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के चालान भी काटे गए।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखना, अवैध वेंडिंग पर नियंत्रण करना तथा पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखना है। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध वेंडिंग और अतिक्रमण के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

नगर निगम चुनाव से पहले चंडीगढ़ कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज

चंडीगढ़/यूटर्न/09 अगस्त। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर चंडीगढ़ कांग्रेस ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन सृजन अभियान के तहत अक्ळउ ऑब्जर्वर जगदीश ठाकुर ने सात दिवसीय चंडीगढ़ दौरे के दौरान प्रदेश कांग्रेस, पांचों जिला कांग्रेस कमेटियों और सभी ब्लॉकों की बैठकों में पदाधिकारियों व कार्यकताओं से सीधा संवाद किया। पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे ठाकुर ने संगठन की मौजूदा स्थिति, जमीनी चुनौतियों और चुनावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं से व्यक्तिगत स्तर पर सुझाव और फीडबैक भी लिया। ठाकुर ने कहा कि प्राप्त फीडबैक के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर AICC महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को सौंपी जाएगी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने तथा नए जिला अध्यक्षों सहित आवश्यक नियुक्तियों पर फैसला होगा।

सीवरेज संकट पर सख्त हुई नगर परिषद, अब कटेंगे अवैध कनेक्शन

प्रधान गुरप्रीत विर्क बोले–अवैध निमार्णों ने बढ़ाया नेटवर्क पर दबाव, शहरभर में होगा सर्वे

जीरकपुर/यूटर्न/09 अगस्त। शहर में बार-बार हो रहे सीवरेज ओवरफ्लो के बीच नगर परिषद ने अब अवैध सीवरेज कनेक्शनों और नियमों के विरुद्ध हुए निमार्णों के खिलाफ बड़े अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। नगर परिषद प्रधान गुरप्रीत सिंह विर्क का कहना है कि तेजी से बढ़े अवैध निर्माण और बिना अनुमति मुख्य लाइनों से जोड़े गए सीवरेज कनेक्शन शहर की सीवरेज व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल रहे हैं। ऐसे कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें काटा जाएगा। विर्क के अनुसार विभिन्न वार्डों से लगातार सीवरेज ओवरफ्लो और गलियों-सड़कों पर गंदा पानी फैलने की शिकायतें मिल रही हैं। प्रारंभिक निरीक्षण में कई स्थानों पर मुख्य सीवरेज लाइनों के साथ बिना मंजूरी कनेक्शन जोड़े जाने की बात सामने आई है। इससे पहले से निर्धारित क्षमता पर चल रहा नेटवर्क अतिरिक्त भार नहीं संभाल पा रहा और नतीजा ओवरफ्लो के रूप में सामने आ रहा है।

ओवरफ्लो की शिकायतों से कार्रवाई तक पहुंची परिषद

नगर परिषद के मुताबिक विभिन्न वार्डों में लगातार मिल रही सीवरेज ओवरफ्लो की शिकायतों के बाद अब समस्या के मूल कारणों की जांच की जा रही है। परिषद का फोकस केवल बंद लाइनें खुलवाने तक सीमित रखने के बजाय अवैध कनेक्शन और अतिरिक्त भार पैदा करने वाले निमार्णों पर कार्रवाई करना है। यदि अभियान प्रभावी ढंग से चला तो शहर के उन क्षेत्रों में राहत मिल सकती है, जहां बार-बार सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या सामने आती है।

वार्डवार सर्वे में चिह्नित होंगे अवैध कनेक्शन

नगर परिषद की टीमें जल्द शहरभर में सर्वे शुरू करेंगी। इसमें बिना स्वीकृति लिए गए सीवरेज कनेक्शनों के साथ उन इमारतों और प्रोजेक्टों की भी जांच की जाएगी, जहां निर्माण नियमों के उल्लंघन की आशंका है। विर्क ने कहा कि बिना अनुमति मिला कनेक्शन सामने आने पर उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उनका कहना है कि किसी इलाके के लिए सीवरेज लाइन उसकी स्वीकृत आबादी और संभावित भार को ध्यान में रखकर डाली जाती है। बाद में अवैध निमार्णों के कारण आबादी या इस्तेमाल अचानक बढ़ने से उसी नेटवर्क पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इससे सीवरेज ओवरफ्लो, जलभराव और गंदगी जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

'अब केवल नोटिस देकर नहीं छोड़ा जाएगा'

विर्क ने कहा कि कार्रवाई केवल नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहेगी। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि अभियान में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा और प्रभावशाली व्यक्ति या बड़ा प्रोजेक्ट होने के आधार पर किसी को राहत नहीं दी जाएगी। उन्होंने शहरवासियों से भी अवैध निर्माण और बिना अनुमति सीवरेज कनेक्शनों की जानकारी नगर परिषद को देने की अपील की, ताकि नेटवर्क पर पड़ रहे अनावश्यक दबाव को कम कर व्यवस्था को सुचारू किया जा सके।

विभाजन की विभीषिका याद कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं : डॉ. कृष्ण मिड्ढा

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/09 अगस्त। भाजपा मुख्यालय पंचकमल के अटल सभागार में ह्यविभाजन की विभीषिका-स्मृति दिवसह्न पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 1947 के विभाजन के बाद पलायन कर भारत आए शरणार्थियों और उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने की, जबकि डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा मुख्य अतिथि और विधायक घनश्याम दास अरोड़ा मुख्य वक्ता रहे। डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि विभाजन के दौरान पलायन की दर्दनाक घटनाओं को सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अपना सब कुछ गंवाकर भारत आए लोगों ने कठिन परिश्रम और स्वाभिमान के साथ स्वयं को दोबारा स्थापित किया। उन्होंने युवाओं को देश के इतिहास से परिचित कराने की जरूरत बताई। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि विभाजन का दर्द केवल पंजाब ने नहीं, बल्कि बंगाल ने भी सहा। लाखों लोगों ने कठिन परिस्थितियों में पलायन किया और बाद में अपने पुरुषार्थ से नई जिंदगी शुरू की। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कहा कि विभाजन हमारी साझी संस्कृति और विरासत का भी विभाजन था।

पुलिस का नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार: शराब, हेरोइन और प्रतिबंधित गोलियों के साथ 8 आरोपी गिरफ्तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/9/अगस्त। लुधियाना (देहाती) पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में कुल 8 आरोपियों को नशीली वस्तुओं के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियां के दौरान भारी मात्रा में नशीली शराब, हेरोइन और प्रतिबंधित गोलियां बरामद की हैं।

पहले मामले में: दाखा पुलिस ने चैटिंग के दौरान एक अल्टो कार को रोका जिस कार में गुरप्रीत सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव चहडचक और जीत सिंह जन्टा पुत्र गुरमेल सिंह निवासी गांव कोकरी कला सवार थे। जब कार की तलाशी ली गई तो गाड़ी में से सर पेटीएम चंडीगढ़ में बिकने वाली शराब बरामद हुई।

दूसरे मामले में: थाना सिधवां बेट पुलिस ने 4 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी मनजीत सिंह, पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी गांव विरक को गिरफ्तार किया है।

तीसरे मामले में: थाना सिधवां बेट पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में 2 ग्राम हेरोइन के साथ दो आरोपियों रेशम सिंह उर्फ मेसू पुत्र सोना सिंह, निवासी गांव परजिया बिहारिपुर और मनप्रीत सिंह उर्फ मनी, पुत्र जसवीर सिंह, निवासी गांव मधेपुर को गिरफ्तार किया है।

चौथे मामले में: थाना जोधा पुलिस ने छापेमारी के दौरान 16 नशीली गोलियां बरामद कर दो आरोपियों सुखदीप सिंह सिप पुत्र बलबीर सिंह निवासी गांव लमा और गुरप्रीत सिंह गोरा पुत्र मनजीत सिंह निवासी गांव मनुके को गिरफ्तार किया है।

पांचवें मामले में: सिधवा बेट पुलिस ने पुलिस ने 10 नशीली गोलियों के साथ आरोपी सुखविंदर सिंह सुखा पुत्र प्रीतम सिंह निवासी गांव तलवाड़ा को गिरफ्तार किया है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Advance Payment देने से पहले ये 5 बातें जरूर जांच लें

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आजकल Furniture, Electronics, Interior Work, Home Renovation, Wedding Booking, Gym Membership और कई अन्य सेवाओं के लिए पहले Advance Payment देना आम बात है। लेकिन कई बार काम शुरू ही नहीं होता या अधूरा छोड़ दिया जाता है। ऐसे में ग्राहक को पैसे वापस लेने में काफी परेशानी होती है।

Advance Payment देने से पहले सबसे जरूरी बात है कि सामने वाले व्यक्ति या कंपनी की विश्वसनीयता जांचें। केवल Social Media Page या Visiting Card देखकर बड़ी रकम का भुगतान करना सही नहीं है।

दूसरी महत्वपूर्ण बात है कि Payment का कोई न कोई लिखित रिकॉर्ड जरूर रखें। चाहे वह Invoice हो, Receipt, Quotation, Email, WhatsApp Message या कोई Agreement। बाद में विवाद होने पर यही दस्तावेज सबसे महत्वपूर्ण साबित होते हैं।

तीसरी बात, यदि काम बड़ा है तो पूरी रकम एक साथ देने से बचें। बेहतर है कि भुगतान को अलग-अलग चरणों में किया जाए। जैसे-जैसे काम पूरा होता जाए, उसी के अनुसार भुगतान करें।

चौथी बात, यदि Advance दिया जा रहा है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि काम कब तक पूरा होगा, यदि काम न हुआ तो पैसे वापस मिलेंगे या नहीं, और किसी पक्ष द्वारा काम छोड़ने पर क्या नियम लागू होंगे।

पांचवीं और सबसे महत्वपूर्ण बात, Cash Payment से बचें। जहां तक संभव हो, Bank Transfer, UPI, Cheque या ऐसे माध्यम से भुगतान करें, जिससे Transaction का रिकॉर्ड बना रहे।

कई लोग रिश्तेदारी, दोस्ती या जान-पहचान के कारण बिना किसी लिखित दस्तावेज के Advance दे देते हैं। बाद में विवाद होने पर यह साबित करना कठिन हो जाता है कि पैसा किस उद्देश्य से दिया गया था।

निष्कर्ष: Advance Payment देना गलत नहीं है, लेकिन बिना जांच-पड़ताल और बिना लिखित रिकॉर्ड के भुगतान करना भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। याद रखें— पहले दस्तावेज, फिर भुगतान।

मानव का श्रेष्ठ धर्म—सुख बांटो, सुख पाओ: संत अश्वनी बेदी

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। श्री राम शरणम, श्री राम पार्क में रविवार को आयोजित साप्ताहिक सत्संग में प्रमुख संत अश्वनी बेदी जी महाराज ने कहा कि परमात्मा के प्रति मन में उत्पन्न पूजा का भाव ही भक्ति है। श्रीराम के भरोसे सेवा, परहित और उपकार के कार्य करना भी भक्ति धर्म है। संत बेदी ने कहा कि भक्ति भगवान के प्रति अटूट विश्वास से की जाती है। जैसे खांड में मिठास और फूल में सुगंध समाई होती है, उसी प्रकार भक्ति में भगवान के होने का ज्ञान समाया रहता है। भजन, ध्यान, जप और आराधना के साथ सभी मनुष्यों को अपना बंधु मानकर उनके हित में कार्य करने वाला व्यक्ति सच्चा भक्त है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति वैर-विरोध, ईर्ष्या और द्वेष से मुक्त होकर सबके प्रति प्रेम और मित्रता

रखने से पूर्ण होती है। जो व्यक्ति परिवार, समाज और देश में एकता तथा प्रेम की भावना से व्यवहार करता है, वही सच्ची भक्ति करता है। उन्होंने कहा कि 'भक्ति धर्म का सबसे ऊंचा आदर्श है—सुख बांटो और सुख पाओ।' सत्संग में श्रीमती रेखा बेदी, आशिमा बेदी, सुदर्शन जैन, रूपाली जैन, मधु बजाज, पल्लवी धवन, शशि भल्ला, टीटू पायलट, रामेश्वर गुप्ता, बृजेश गुप्ता, वरिंदर जैन, अदिति सिंगला, किरण खरबंदा, नीरा गुप्ता, आशु जैन, स्वीट धवन, दीक्षा धवन, संजीव धवन, हंसराज पृथि और लक्ष्मी गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

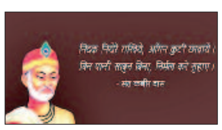

निंदक नेड़े राखिए, आंगन कुटी छवाय।

कबीरदास जी का प्रसिद्ध दोहा है - निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। इसका अर्थ है कि हमें अपनी निंदा करने वाले व्यक्ति को अपने पास रखना चाहिए, क्योंकि वह हमारी कमियों और गलतियों से हमें परिचित करवाता है। अक्सर मनुष्य अपनी प्रशंसा सुनना पसंद करता है। जब कोई हमारी तारीफ करता है तो हमें अच्छा लगता है, लेकिन हमारी कमियाँ बताने वाला व्यक्ति हमें अपनी गलतियों को सुधारने का अवसर देता है। इसलिए निंदा हमेशा बुरी नहीं होती। यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी से हमारी कमियाँ बताता है, तो हमें उसकी बात को बुरा मानने के बजाय उस पर विचार करना चाहिए। निंदक हमारे लिए आईने की तरह होता है। वह हमें हमारी ऐसी कमियाँ दिखा सकता है, जिन्हें हम स्वयं नहीं देख पाते। उसकी बातों से हम अपने व्यवहार, आदतों और कार्यों में सुधार कर सकते हैं। हालांकि, हमें सही और गलत निंदा में अंतर समझना चाहिए। केवल अपमान करने या नीचा दिखाने वाले व्यक्ति की बात को स्वीकार करना आवश्यक नहीं है।

आज के समय में भी कबीरदास जी की यह सीख बहुत उपयोगी है। सच्ची आलोचना हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है। इसलिए हमें अपनी कमियाँ बताने वालों से सीखना चाहिए और सकारात्मक आलोचना का सम्मान करना चाहिए।

संत बाबा नरिंदर सिंह जी द्वारा नडलों से हजूर साहिब पहुँची संगत का सम्मान

होशियारपुर/दलजीत अजनोहा

संत बाबा नरिंदर सिंह जी द्वारा नडालों से हजूर साहिब पहुँची संगत का सम्मान किया गया। जन्मस्थल संत बाबा निधान सिंह जी, पिंड नडालों की ओर से हर साल की तरह संत बाबा निधान सिंह जी और समूचे महापुरुषों की बर्सी समागम मनाने के लिए जन्मस्थल की टीम नडलों से आई। जत्थेदार इकबाल सिंह खेड़ा, सरपंच जसवीर सिंह भट्टी, संत बाबा जसपाल सिंह जी, किरपाल सिंह अजनोहा, जत्थेदार लखा सिंह पालदी, गुरचरण सिंह गोबिंदपुरी,

जर्नैल सिंह खालसा की अगुवाई में हजूर साहिब पर करीब 300 की संख्या में पहुंची संगत को गुरुद्वारा लंगर साहिब बाबा निधान सिंह जी के मुखी बाबा नरिंदर सिंह जी और बाबा बलविंदर सिंह जी द्वारा सिरोपा और प्रसाद देकर समूचे संगत का सम्मान किया गया।

अंसल एस्टेट के एस.एस. खुराना की ओर से सात दिवसीय शिव पुराण कथा का शुभारंभ

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। सिविल लाइन स्थित श्री दंडी स्वामी तपोवन तपोभूमि आश्रम में अंसल एस्टेट के एस.एस. खुराना की ओर से सात दिवसीय श्री शिव पुराण कथा का शुभारंभ रविवार को श्रद्धापूर्वक हुआ। कथा के लिए हरिद्वार से कथा व्यास आचार्य श्री हरिकृष्ण जी महाराज विशेष रूप से पहुंचे ।कथा के शुभारंभ से पहले तपोस्थली मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसके उपरांत तपोस्थली मंदिर के पं. संतोष त्रिपाठी, पं. महानंद शर्मा, पं. दिनेश चंद्र, पं. संदीप एवं पं. यतेन्द्र द्वारा श्री शिव पुराण ग्रंथ का विधिवत पूजन करवाया गया ।कथा व्यास आचार्य श्री हरिकृष्ण जी महाराज

ने भक्ति गीत ह्लमहादेव तुम्हारी जय होवे, भोलेनाथ तुम्हारी जय होवेह्व की धुन से कथा का शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप एवं महिमा का वर्णन करते हुए भगवान शंकर के विभिन्न नामों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि जहां भगवान की कथा होती है, वहां सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इसलिए श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक अपने इष्ट देव का नाम जप करना चाहिए ।इस अवसर पर एस.एस. खुराना ने कहा कि ह्लशिव पुराण कथा का आयोजन करवाना उनके लिए सौभाग्य और सौभाग्य से बढ़कर सेवा का अवसर है। भगवान शिव की कृपा से आयोजित इस कथा का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को धर्म, भक्ति और सनातन संस्कृति से जोड़ना है।

GST पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: सप्लायर का रजिस्ट्रेशन बाद में रद्द होने पर भी खरीदार को मिलेगी ITC : एडवोकेट करण चावला

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट से देश भर के जीएसटी (GST) करदाताओं और व्यापारियों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने M/s Safecon Lifescience Private Limited मामले में राजस्व विभाग (Revenue) की विशेष अनुमति याचिका (SLP C No. 23993 of 2026 July 17) को दाखिले के स्तर पर ही खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट का वह फैसला बरकरार रहा है, जिसमें कहा गया था कि अगर सप्लायर का रजिस्ट्रेशन बाद में रद्द हो जाता है, तो सिर्फ इस आधार पर खरीदार को इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) देने से मना नहीं किया जा सकता।

Karan Chawla

क्या था पूरा मामला ?

अक्सर जीएसटी विभाग व्यापारियों को यह कहकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) देने से मना कर देता है कि 'जिस सप्लायर से आपने 3-4 साल पहले माल खरीदा था, वह अब अस्तित्व में नहीं है (Non-Existent) या उसका रजिस्ट्रेशन विभाग ने पिछली तारीख (Retrospective Date) से रद्द कर दिया है'।

मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट में पहुंचा था, जहां करदाता ने कोर्ट के सामने सभी पुख्ता दस्तावेज पेश किए:

- टैक्स इनवॉइस (Tax Invoice)
- ई-वे बिल (e-Way Bill) और ट्रांसपोर्ट बिल (Bilty)
- बैंक चैनलों के माध्यम से किया गया भुगतान
- सप्लायर द्वारा भरी गई रिटर्न (GSTR-1 और GSTR-3B) और GSTR-2A/2B में दिखता क्रेडिट

हाई कोर्ट ने विभाग पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब खरीदार के पास माल की खरीद, ट्रांसपोर्टेशन और बैंक भुगतान के सभी दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो बिना किसी जांच के धारा 74 (Section 74 - Fraud / Misstatement) का नोटिस जारी करना गलत है। कोर्ट ने कहा कि जीएसटी कानून 'व्यापार में आसानी' (Ease of Doing Business) के लिए बनाया गया है, न कि व्यापारियों को परेशान करने के लिए।

सुप्रीम कोर्ट का रुख और इसका प्रभाव

राजस्व विभाग ने हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका (SLP) दाखिल की थी, जिसे सर्वोच्च अदालत ने खारिज कर दिया।

लुधियाना के प्रसिद्ध टैक्स एडवोकेट करण चावला के अनुसार, भले ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा दाखिले के स्तर पर SLP खारिज होने से यह संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत सीधा बाध्यकारी कानून (Binding Law) न बने, लेकिन इसका मजबूत सहायक मूल्य (Substantive Persuasive Value) है। यह उन सभी व्यापारियों के लिए एक बेहद मददगार फैसला साबित होगा, जिन्हें विभाग द्वारा सप्लायर का रजिस्ट्रेशन रद्द होने का हवाला देकर ITC से वंचित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु: यदि खरीदार ने वास्तविक लेनदेन किया है और भुगतान बैंक के जरिए हुआ है, तो सप्लायर के बाद में फर्जी या अनुपलब्ध पाए जाने पर भी खरीदार का ITC सुरक्षित रहेगा।

लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड देगी 250 प्रतिशत अंतरिम लाभांश

शेयरों की उचित कीमत तय करने के लिए संपत्तियों का होगा सरकारी रजिस्टर्ड वैल्यूअर से मूल्यांकन

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक 7 अगस्त को कंपनी के रजिस्टर्ड कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में शेयरों के मूल्यांकन, कर संबंधी पहलुओं और शेयरधारकों को अंतरिम लाभांश देने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

कंपनी के अनुसार कुछ पुराने और नए सदस्यों ने अतिरिक्त शेयर खरीदने तथा सदस्य बनने पर लागू कर संबंधी नियमों को लेकर जानकारी मांगी थी। इस पर आयकर विशेषज्ञ से ली गई कानूनी राय में बताया गया कि कंपनी के शेयर सूचीबद्ध नहीं हैं। ऐसे में शेयरों की

बिक्री के समय उनकी कीमत आयकर नियमों के अनुसार उचित बाजार मूल्य पर तय किया जाना जरूरी है। उचित बाजार मूल्य से कम कीमत पर शेयर बेचने की स्थिति में विक्रेता और खरीदार दोनों के लिए कर संबंधी दायित्व उत्पन्न हो सकते हैं। इसे देखते हुए बोर्ड ने कंपनी की सभी संपत्तियों का मूल्यांकन सरकारी रजिस्टर्ड वैल्यूअर से करवाने का निर्णय लिया है, ताकि शेयरधारकों को शेयरों की वास्तविक और पारदर्शी कीमत की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 250 प्रतिशत अंतरिम लाभांश घोषित किया है। इसके तहत 10 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर शेयरधारकों को 25 का लाभांश दिया जाएगा।

पक्षी धाम में जैन मिलन संघ ने किया सेवा कार्य, जीव दया का दिया संदेश

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। जैन मिलन संघ, शिवपुरी की ओर से रविवार को हम्ब्रां रोड स्थित गौ धाम के सामने पक्षी धाम में सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए जीव दया और सेवा के कार्यों में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने पक्षियों की देखभाल से जुड़े सेवा कार्यों में सहभागिता की और जीव-जंतुओं की रक्षा व सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर पक्षी धाम के प्रमुख राकेश जैन (जगराओं) विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने संघ के सदस्यों द्वारा किए गए सेवा कार्य की सराहना की।

जैन मिलन संघ के अध्यक्ष नरेश जैन (मुन्हानी) ने कहा कि जीव दया सबसे उत्तम सेवा है। उन्होंने कहा, 'जीवों की सेवा एवं रक्षा करना ही सच्ची मानवता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जीव-जंतुओं की सेवा के लिए आगे आना चाहिए।' उन्होंने बताया कि जैन मिलन संघ सामाजिक और धार्मिक सेवा कार्यों में लगातार योगदान देता आ रहा है। कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में भाग लेकर भविष्य में भी ऐसे पुण्य कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

नगर निगम की बीएंडआर शाखा में अधिकारियों के कामकाज में फेरबदल

दो इंजीनियरों को टीआईसी का अतिरिक्त चार्ज, वार्ड 40 से 52 तक की जिम्मेदारी भी बदली

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। नगर निगम लुधियाना ने प्रशासनिक कार्यों को सुचारू ढंग से चलाने के उद्देश्य से बिल्डिंग एंड रोड्स (बीएंडआर) शाखा के चार अधिकारियों के कार्यों में फेरबदल करते हुए उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। निगम कमिश्नर की ओर से 8 अगस्त को इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार निगरान इंजीनियर रणजीत सिंह को उनके मौजूदा कार्य के साथ-साथ टीआईसी के कार्य का अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया है। वहीं निगरान इंजीनियर हरविकरणपाल सिंह को मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ वार्ड नंबर 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 49, 50, 51 और 52 के कार्यों का चार्ज दिया गया है। इसी तरह कार्यकारी इंजीनियर संजीव कुमार को अपने वर्तमान कार्य के अतिरिक्त टीआईसी का चार्ज दिया गया है। कार्यकारी इंजीनियर कुलविंदर सिंह को भी अपने मौजूदा काम के साथ वार्ड

नंबर 40 से 52 तक निर्धारित वार्डों के विकास एवं संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर निगम के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उक्त अधिकारियों को अन्य शाखाओं से संबंधित पहले से आवंटित कार्य पूर्व की तरह जारी रहेंगे। आदेश की प्रतियां संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों और इंजीनियरिंग विंग को भेज दी गई हैं।

'बराड़ा में सफाई होकर रहेगी', चेयरमैन रजत मलिक का सख्त रुख

बराड़ा/यूटर्न/09 अगस्त। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर में बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर नगरपालिका चेयरमैन रजत मलिक ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि हड़ताल पर बैठे कर्मचारी काम पर नहीं लौटते तो बाहर से लेबर बुलाकर शहर की सफाई करवाई जाए। लगातार हड़ताल के कारण कई इलाकों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर लग गए हैं। इससे दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। चेयरमैन प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से बातचीत की। हड़ताली कर्मचारियों ने वेतन न मिलने का मुद्दा उठाया। इसके बाद चेयरमैन और ठेकेदार की मौजूदगी में भुगतान से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की गई। चेयरमैन के अनुसार संबंधित महीने का वेतन और एडवांस राशि पहले ही दी जा चुकी थी। रजत मलिक ने कहा कि बार-बार हड़ताल का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है।

फिटनेस के साथ नशे के खिलाफ दौड़े युवा, पंजाब यूथ रन में दिखा उत्साह

गुरुद्वारा श्री अंब साहिब से शुरू हुई 5.5 किलोमीटर दौड़, चार आयु वर्गों में महिला-पुरुष प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

मोहाली/यूटर्न/09 अगस्त। फेज-8 स्थित गुरुद्वारा श्री अंब साहिब से रविवार सुबह पंजाब यूथ रन-2026 का आयोजन किया गया। आम आदमी पार्टी के यूथ विंग पंजाब की ओर से आयोजित 5.5 किलोमीटर लंबी दौड़ में युवाओं के साथ विभिन्न आयु वर्ग के महिला और पुरुष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दौड़ का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस और खेलों से जोड़ने के साथ नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देना था। प्रतिभागी सुबह करीब छह बजे से ही गुरुद्वारा श्री अंब साहिब के पास पहुंचना शुरू हो गए थे। सुबह सात बजे दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

चार आयु वर्गों में हुआ मुकाबला

आयोजकों की ओर से महिला और पुरुष प्रतिभागियों के लिए चार आयु वर्ग निर्धारित किए गए थे। इनमें अंडर-19, 19 से 35 वर्ष, 35 से 50 वर्ष और 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग शामिल रहे। इससे युवाओं के साथ वरिष्ठ नागरिकों को भी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। प्रतिभागियों में दौड़ को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

पहले स्थान पर 11 हजार रुपये का पुरस्कार

आयोजकों के अनुसार प्रत्येक प्रतिस्पर्धात्मक श्रेणी में पहले पांच स्थान हासिल करने वाले धावकों को नकद पुरस्कार दिए गए। प्रथम स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 11 हजार रुपये, दूसरे स्थान पर 7,100 रुपये, तीसरे स्थान पर 5,100 रुपये, चौथे स्थान पर 3,100 रुपये और पांचवें स्थान पर 2,100 रुपये का पुरस्कार दिया गया।

नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ने का संदेश

आयोजन समिति के अनुसार पंजाब यूथ रन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें खेल, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ना है। दौड़ के माध्यम से नशामुक्त और स्वस्थ पंजाब का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। युवाओं के अलावा वरिष्ठ नागरिकों ने भी उत्साह के साथ हिस्सा लेकर नियमित व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

साइबर ठगों का पंजाब पर बड़ा वार..540 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन ने बढ़ाई चिंता, मोहाली बना नया हॉटस्पॉट

चार महीने में पंजाब में 30.10 करोड़ की ठगी के 13 बड़े मामले, 956 एफआईआर और 729 आरोपी गिरफ्तार

मोहाली/यूटर्न/09 अगस्त। साइबर ठगी अब केवल ऑनलाइन धोखाधड़ी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुकी है। पंजाब में सामने आए आंकड़े इसकी गंभीरता की तस्वीर पेश कर रहे हैं। वर्ष 2026 के शुरूआती चार महीनों में ही राज्य में साइबर ठगों ने लोगों से 30.10 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। पुलिस ने इस दौरान 13 बड़े मामलों में एफआईआर दर्ज की। इनमें फर्जी निवेश, क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग, नौकरी, वीजा, प्रॉपर्टी और अन्य तरीकों से ठगी के मामले शामिल रहे।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि साइबर अपराधियों के बैंकिंग नेटवर्क में 540.34 करोड़ रुपये की संदिग्ध लेनदेन राशि सामने आ चुकी है। पंजाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 63,749 बैंक खाते फ्रीज किए। पुलिस के मुताबिक करीब 64 करोड़ रुपये की रकम पीड़ितों को वापस दिलाने में सफलता मिली है।

956 एफआईआर, 729 आरोपी गिरफ्तार

मोहाली सहित राज्य साइबर थानों के आंकड़ों के अनुसार 24 जून 2026 तक राज्य के 29 साइबर क्राइम थानों में 956 एफआईआर दर्ज की जा चुकी थीं। इस दौरान 729 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इससे साफ है कि साइबर अपराध अब पुलिस के सामने तेजी से बढ़ती चुनौती बन चुका है।

मोहाली में क्यों बढ़ रही चिंता

ट्राइसिटी का प्रमुख कारोबारी और आईटी हब होने के कारण मोहाली साइबर अपराधियों के लिए भी महत्वपूर्ण निशाना बन रहा है। यहां लोगों को अलग-अलग तरीकों से ठगी का शिकार बनाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। फर्जी निवेश योजनाओं में मोटा मुनाफा देने का झांसा, शेयर और क्रिप्टो ट्रेडिंग, डिजिटल अरेस्ट, बैंक खाते अपडेट करने के नाम पर ओटीपी हासिल करना, नौकरी और वीजा दिलाने के नाम पर ठगी जैसे तरीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं। मोहाली पुलिस के साइबर क्राइम थाना और पंजाब के स्टेट साइबर क्राइम नेटवर्क की ओर से ऐसे मामलों में कार्रवाई की जा रही है। कई मामलों में ठगी की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करने के बाद उसे आगे दूसरे खातों में भेज दिया जाता है। यही वजह है कि पुलिस के लिए रकम की पूरी चेन को ट्रेस करना चुनौती बना हुआ है।

एक मामले में 19.8 करोड़ का चूना...पंजाब में सामने आए बड़े साइबर मामलों में लुधियाना के एक कारोबारी से करीब 19.8 करोड़ रुपये की ठगी का मामला भी सामने आया। कारोबारी को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिये निवेश का झांसा दिया गया। जांच में रकम को कई बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाने की बात सामने आई।

खुलेआम बाजार में युवकों पर खूनी हमला, सोने-चांदी के गहने लूटे

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/9/अगस्त। थाना सदर जगरांव के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में किराना स्टोर से सामान लेकर लौट रहे युवकों पर कुछ लोगों द्वारा खूनी हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में हमलावरों ने न सिर्फ युवकों और बीच-बचाव करने आई उसकी बहन और परिजनों को बुरी तरह पीटा, बल्कि मौके पर गहने भी गिरकर गायब हो गए। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपियों और 8-10 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता अमनदीप सिंह पुत्र हरचंद सिंह निवासी गांव लगीआना, बाघा पुराना ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि 3 अगस्त को रात वह और उसके मामा का लड़का गुरप्रीत सिंह घर के नजदीक स्थित गुड्डू किराना स्टोर पर सामान लेने गए थे। जब दोनों युवक दुकान से बाहर आए, तो वहां पहले से घात लगाकर बैठे आरोपी संदीप सिंह उर्फ सीपा, जोधा, गोल्डी, राजा, प्रीत कौर (सभी निवासी गांव पोना) और 8-10 अन्य अज्ञात नौजवानों ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

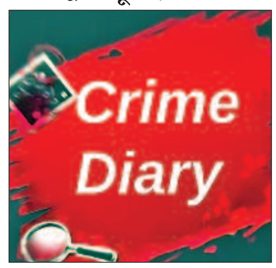

परिजनों पर हमला : मारपीट के दौरान जब गुरप्रीत सिंह अपनी जान बचाकर गांव की तरफ भागा और शोर मचाया, तो उसकी आवाज सुनकर मौके पर उसकी बहन और मामा बचाव के लिए आ गए। आरोपियों ने बीच-बचाव करने आए इन परिजनों को भी नहीं बख्शा और उनकी बुरी तरह पिटाई की।

जीएचजी अकैडमी में गूंजे संवैधानिक अधिकार

विशेषज्ञ डॉ. वरुण गोयल के व्याख्यान से विद्यार्थियों में जगी जागरूकता

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/9/अगस्त। क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थान जी.एच.जी. अकैडमी, जगरांव में विद्यार्थियों को उनके संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए ₹भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार₹ विषय पर एक विशेष और प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र में संवैधानिक अध्ययन के प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. वरुण गोयल ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर अपनी ओजस्वी शैली से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का अनूठा संगम...कार्यक्रम के दौरान डॉ. वरुण गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित छह मौलिक अधिकारों के ऐतिहासिक और व्यावहारिक महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बेहद सरल और प्रभावशाली अंदाज में समझाया कि कैसे ये अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक को गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करते हैं। डॉ. गोयल ने केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर, वास्तविक जीवन के रोजमर्रा के उदाहरणों के जरिए विद्यार्थियों को उनके अधिकारों का सही इस्तेमाल करना सिखाया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि एक मजबूत लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के लिए मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का पालन करना भी उतना ही अनिवार्य है।

डॉक्टर से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाला आरोपी 12 घंटे में गिरफ्तार

पिस्तौल की नोक पर दी थी सोमवार तक 10 लाख रुपये तैयार रखने की धमकी, .32 बोर पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यूटर्न/09 अगस्त। थाना मजीठा रोड पुलिस ने एक डॉक्टर को पिस्तौल की नोक पर 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले को 12 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। पुलिस के मुताबिक, 8 अगस्त को करीब सुबह 11:30 बजे डॉक्टर अपने क्लीनिक में मौजूद थे। इसी दौरान काला हेलमेट पहने एक व्यक्ति क्लीनिक में दाखिल हुआ और पिस्तौल डॉक्टर की ओर तानकर सोमवार तक 10 लाख रुपये तैयार रखने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी पिस्तौल सहित मौके से फरार हो गया। डॉक्टर के बयानों के आधार पर थाना मजीठा रोड में मुकदमा नंबर 105, दिनांक 08.08.2026 के तहत धारा 351(2), 351(3), 308(4) बीएनएस तथा 25-27-54-59 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

51 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी की पहचान सुखबीर सिंह पुत्र हरी सिंह, निवासी भवानी नगर, मजीठा रोड, अमृतसर, उम्र 51 वर्ष के रूप में की और उसे थाना मजीठा रोड क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पर काफी कर्ज था और वह आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। इसी कारण उसने कथित तौर पर फिरौती मांगने का रास्ता अपनाया। पुलिस के अनुसार आरोपी मजीठा रोड पर कुलचों की दुकान चलाता था।

आरोपी से बरामद सामान

- .32 बोर की एक पिस्तौल
- .32 बोर के दो जिंदा कारतूस
- एक्टिवा स्कूटर नंबर PB02 EH 1819
- काले रंग का एक हेलमेट!

उक्त कार्रवाई पुलिस कमिश्नर अमृतसर हरमनबीर सिंह गिल, आईपीएस के निदेर्शो पर, एडीसीपी सिटी-2 श्री सिरीवेनेला, आईपीएस के दिशा-निर्देशन तथा एसीपी नॉर्थ गगनदीप सिंह की निगरानी में थाना मजीठा रोड के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार और एसआई तरसेम सिंह सहित पुलिस टीम ने की। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच जारी है।

गांवों में कचरा प्रबंधन को लेकर प्रशासन सख्त, घर-घर कूड़ा संग्रहण पर जोर

अमृतसर/यूटर्न/09 अगस्त। गांवों को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) अमृतसर सुरिंदर सिंह की अध्यक्षता में सरपंचों, पंचों, पंचायत सचिवों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के फील्ड स्टाफ और जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को घर-घर से कचरा एकत्र करने तथा गीले और सूखे कचरे को अलग रखने के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

गांव बुताला के सरपंच सुखविंदर सिंह ने बताया कि गांव में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के तहत गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर प्रोजेक्ट स्थल तक पहुंचाया जा रहा है, जहां गीले कचरे से जैविक खाद तैयार की जाती है। घर-घर कचरा संग्रहण के लिए प्रति परिवार 100 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। धरदियो, हेर और नौशहरा के सरपंचों ने भी अपने गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। अतिरिक्त उपायुक्त ने राउंड ग्लास फाउंडेशन के अधिकारियों को अधिक से अधिक गांवों में कचरा प्रबंधन गतिविधियां तेज करने तथा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रीत महिंदर सिंह सहोता सहित विभिन्न ब्लॉकों के बीडीपीओ, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी, पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का फील्ड स्टाफ और विभिन्न गांवों के सरपंच मौजूद रहे।

वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/09 अगस्त। दीपनगर के पास बठिंडा-पटियाला रेलवे लाइन पार करते समय एक महिला वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला के शरीर के अंग रेलवे ट्रैक पर दूर-दूर तक बिखर गए।

घटना की सूचना मिलते ही सहारा जन सेवा की लाइफ सेविंग ब्रिगेड हेल्पलाइन टीम के सदस्य संदीप गिल और राजेंद्र कुमार दो एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे। टीम ने थाना जीआरपी को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। सहारा टीम ने ट्रैक पर बिखरे शव के अंगों को एकत्र कर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। मृतका की पहचान आशा देवी पत्नी राजीव कुमार, निवासी कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार महिला अपने मायके आई हुई थी और मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद वापस लौट रही थी, इसी दौरान हादसा हो गया। वहीं, शहर में दो अन्य घटनाओं में सहारा जन सेवा की टीम ने पोस्ट ऑफिस बाजार और गांधी मार्केट में बीमार मिले दो बेसहारा व्यक्तियों को एंबुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया।

सुखदेव सिंह बब्बर की स्मृति में दासूवाल में समागम आयोजित

पंथक संगठनों और संगत ने कार्यक्रम में की शिरकत

आर.के. उप्पल

अमृतसर। गांव दासूवाल स्थित गुरुद्वारा साहिब में सुखदेव सिंह बब्बर की 34वीं बरसी और उनके बड़े भाई महल सिंह बब्बर की स्मृति में विभिन्न पंथक संगठनों की ओर से संयुक्त समागम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों और पंथक संगठनों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। समागम की शुरूआत अखंड कीर्तनी जत्थे के सिंहों द्वारा गुरबाणी कीर्तन से हुई। इसके बाद ढाडी और कविशरी जत्थों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। वक्ताओं ने 1978 की बैसाखी के बाद पंजाब में बने हालात और उस दौर की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न परिवारों और पंथक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। समागम का संचालन जत्थेदार बख्शीश सिंह ने किया। इस अवसर पर भाई सतनाम सिंह खंडा, भाई सतनाम सिंह झंझियां, भाई तरलोक सिंह, प्रो. बलजिंदर सिंह, भूपिंदर सिंह पहलवान जर्मनी, महांबीर सिंह सुल्तानविंड, डॉ. सुखदेव सिंह बाबा और एडवोकेट जसपाल सिंह मंझपुर सहित कई पंथक नेता और संगत के सदस्य मौजूद रहे। आयोजकों ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का आभार व्यक्त किया।

कामिका एकादशी पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुआ विशेष दुग्ध अभिषेक

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यूटर्न/09 अगस्त। श्री दुर्गियाना तीर्थ के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में कामिका एकादशी के पावन अवसर पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मंदिर में विराजमान तीनों विग्रहों का पुजारी द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ दूध से स्नान एवं अभिषेक करवाया गया। धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुए इस विशेष पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। कामिका एकादशी के महत्व को देखते हुए मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तों ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भगवान श्री लक्ष्मी नारायण की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

बघेल के खिलाफ बगावत असल में राहुल गांधी के खिलाफ बगावत है और BJP इस पर नजर रखे हुए है

चंडीगढ़/यूटर्न/09 अगस्त। भूपेश बघेल पंजाब में कांग्रेस पार्टी के हालात ठीक करने आए थे। लेकिन इसके उलट, पार्टी के लोग ही उनके खिलाफ हो गए। लुधियाना में उनके दौरे के दौरान नारेबाजी और धक्का-मुक्की हुई, जबकि खन्ना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुलेआम पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में नारे लगाए। यह घटना पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी के बढ़ते तनाव के बीच हुई है, जहाँ चन्नी, पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और भारत भूषण आशु के समर्थक बार-बार आपस में भिड़ते रहे हैं।

लेकिन इस ताजा टकराव में एक बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है। बघेल कोई आम कांग्रेस नेता नहीं हैं। वह पंजाब में पार्टी आलाकमान के खास प्रतिनिधि हैं। उनकी मौजूदगी का मकसद यह संकेत देना है कि संगठन के मामलों में और आखिरकार नेतृत्व तथा 2027 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे जैसे मुद्दों पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का फैसला ही अंतिम होगा।

इसी वजह से उनके खिलाफ हुई नारेबाजी को महज गुटबाजी का झगड़ा नहीं माना जा सकता, बल्कि यह उससे कहीं ज्यादा अहम है। बघेल को नकारने का मतलब आलाकमान को ही नकारने जैसा माना जा सकता है। और यहीं पर पंजाब कांग्रेस का संकट दिलचस्प हो जाता है। कई महीनों से पार्टी नेताओं की आपसी महत्वाकांक्षाओं को संभालने में जूझ रही है। चन्नी के समर्थक अपने नेता को ज्यादा अहमियत देने की मांग कर रहे हैं, जबकि वडिंग का खेमा राज्य संगठन के अधिकार पर जोर दे रहा है। पार्टी कार्यक्रमों में हुई झड़पों ने मतभेदों को छिपाना नामुमकिन बना दिया है।

सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आलाकमान के पास अभी भी कोई समझौता लागू करवाने का अधिकार है? या क्या पंजाब कांग्रेस ऐसे मोड़ पर पहुँच गई है जहाँ नेताओं को लगता है कि वे दिल्ली की बात खुलेआम टाल सकते हैं क्योंकि उन्हें अब नतीजों का डर नहीं है? एक और सवाल है जिसे शायद कांग्रेस नेता जोर से नहीं पूछना चाहेंगे। अगर आलाकमान अपने ही नेताओं को एकजुट नहीं रख सकता, तो नाराज नेता आखिर कहाँ जाएँगे? ऐसे हालात में इखढ की दिलचस्पी जरूर होगी। पंजाब की राजनीति में नेताओं का दल-बदल पहले भी देखा गया है, और आपसी लड़ाई में उलझी कांग्रेस अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए मौके पैदा करती है। इसका मतलब यह नहीं है कि इखढ का कोई कदम जल्द ही उठाया जाने वाला है, या कांग्रेस का हर नाराज नेता पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहा है। ऐसा दावा करने के लिए अभी कोई सबूत नहीं है। लेकिन राजनीतिक समीकरणों में बदलाव अक्सर औपचारिक घोषणा से काफी पहले ही शुरू हो जाते हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बठिंडा पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च किया

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/09 अगस्त। आने वाले स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए, बठिंडा पुलिस ने जिले में कानून-व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा पक्का करने के लिए शहर में एक खास फ्लैग मार्च किया। इस फ्लैग मार्च में करीब 200 पुलिसवालों ने हिस्सा लिया। फ्लैग मार्च को बठिंडा के रढ इन्वेस्टिगेशन, जसमीत सिंह साहीवाल और ऊढ हेडक्वार्टर, बठिंडा के राहुल भारद्वाज ने लीड किया।

PCR इंचार्ज, ट्रैफिक इंचार्ज समेत अलग-अलग पुलिस यूनिट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने फ्लैग मार्च में हिस्सा लिया। पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में मार्च किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ ही, बठिंडा रेलवे स्टेशन पर भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें स्टेशन और उसके आस-पास के इलाकों में संदिग्ध लोगों और गतिविधियों पर नजर रखते हुए चेकिंग की गई। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पुलिस पब्लिक जगहों और सेंसिटिव इलाकों पर खास नजर रख रही है। बठिंडा पुलिस लोगों की सुरक्षा पक्का करने के लिए लगातार विजिलेंस, पेट्रोलिंग और चेकिंग कैंपेन चला रही है।

पारंपरिक रंगों में सजा तीज उत्सव, महिलाओं ने गीत-संगीत पर जमकर किया नृत्य

करीब 80 महिलाओं ने लिया भाग, अनुप्रिया कालरा बनीं तीज क्वीन

जीरकपुर/यूटर्न/09 अगस्त। तीज पर्व के अवसर पर रविवार को शहर में पारंपरिक उल्लास और उमंग देखने को मिली। मेघा और निधि की ओर से आयोजित तीज उत्सव में करीब 80 महिलाओं ने भाग लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने गीत-संगीत, मेहंदी, नृत्य और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में पंजाबी और पारंपरिक लोकगीतों की धुन पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। आकर्षक व्यक्तित्व और

प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अनुप्रिया कालरा को तीज क्वीन चुना गया। आयोजकों ने उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं।

नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने का प्रयास... आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े पहलुओं को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। महिलाओं ने कहा कि तीज केवल पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने का माध्यम भी है। ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं के करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सांस्कृतिक आयोजन बढ़ाते हैं आपसी मेल-जोल... आयोजक मेघा और निधि ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसे आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे के साथ समय बिताने और अपनी संस्कृति को जीने का अवसर देते हैं। इससे महिलाओं के बीच आपसी मेल-जोल बढ़ता है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन जारी रखने की बात कही।

भाजपा का समरसता संकल्प अभियान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/9/अगस्त। भारतीय जनता पार्टी द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने के लिए देश भर में 'समरसता संकल्प अभियान' का आरंभ किया गया है। इसी कड़ी के तहत आज जिला प्रधान डॉ. राजिंदर शर्मा की अगुवाई में हठूर और बुरज कुलारां में पवित्र कलश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में इलाकावासियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने बताया कि इस पवित्र कलश में श्री गुरु रविदास जी के जन्म स्थान (वाराणसी) की पवित्र मिट्टी लाई गई है।

निजी प्लॉट में फेंका सीवरेज का मलबा, दुर्गंध से एमएस एन्क्लेव के लोग परेशान

जीरकपुर/यूटर्न/09 अगस्त। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर एमएस एन्क्लेव के निवासियों ने सवाल उठाए हैं। यहां सीवरेज की सफाई के बाद निकला गंदा मलबा कथित तौर पर निर्धारित स्थान पर पहुंचाने के बजाय रिहायशी क्षेत्र के बीच स्थित एक निजी प्लॉट में डाल दिया गया। खुले में पड़े सीवरेज अपशिष्ट से आसपास दुर्गंध फैलने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद से तत्काल मलबा हटवाने के साथ मामले की जांच की मांग की है।

स्थानीय निवासी एडवोकेट वाणी सिंह ने आरोप लगाया कि उनके घर के नजदीक हरपाल यादव नामक व्यक्ति ने सीवरेज की सफाई करवाई थी। आरोप है कि सफाई के दौरान निकले मलबे को उचित तरीके से निस्तारित करने के बजाय पास के एक निजी प्लॉट में डलवा दिया गया। प्लॉट के चारों ओर मकान होने के कारण इसका सीधा असर वहां रहने वाले परिवारों पर पड़ रहा है।

दुर्गंध के बीच घरों में रहना हुआ मुश्किल... वाणी सिंह के अनुसार मलबे से उठ रही दुर्गंध के कारण आसपास के घरों में लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है। लंबे समय तक अपशिष्ट खुले में पड़ा रहा तो मक्खी-मच्छरों की समस्या भी बढ़ सकती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सीवरेज की सफाई जरूरी है, लेकिन उससे निकलने वाले अपशिष्ट का वैज्ञानिक और निर्धारित तरीके से निस्तारण भी उतना ही जरूरी है। स्थानीय निवासी सुजाता, पायल, उषा, साहिल, पूनम शर्मा और गीत ने भी समस्या पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि रिहायशी इलाके के खाली या निजी प्लॉटों को इस तरह सीवरेज का मलबा फेंकने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रशासन को शिकायत मिलने के बाद मौके का निरीक्षण करवाकर मलबा हटवाना चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बठिंडा पुलिस ने हनीट्रैप गिरोह पकड़ाः 28 लोग गिरफ्तार, महिलाएं लिफ्ट मांगकर फंसाती थीं; आपत्तिजनक वीडियो बनाकर लूटती थी

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/09 अगस्त। पुलिस ने लोगों को महिलाओं के जरिए अपने जाल में फंसाकर लूटने और ब्लैकमेल करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। यह कार्रवाई एसएसपी ज्योति यादव के दिशा-निर्देशों पर थाना कोतवाली पुलिस ने की। पुलिस के अनुसार, आरोपी रात के समय राहगीरों को लिफ्ट देने के बहाने अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें होटल या किसी सुनसान जगह पर ले जाया जाता था, जहां कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह की महिलाएं रात के समय सड़क पर राहगीरों

से लिफ्ट मांगती थीं। बातचीत और मेल-जोल के जरिए उन्हें अपने साथ होटल या किसी सुनसान जगह पर ले जाया जाता था, जहां गिरोह के अन्य सदस्य मौजूद रहते थे। आरोप है कि पीड़ित को डराकर उसकी आपत्तिजनक वीडियो बनाई जाती थी। इसके बाद वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसे मांगे जाते थे। पुलिस के मुताबिक, इस तरीके से गिरोह लोगों को डराकर वसूली करता था। थाना कोतवाली के मुख्य अधिकारी इंस्पेक्टर यादविंदर सिंह ने बताया कि 7 अगस्त 2026 को रेलवे स्टेशन के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ महिलाएं और पुरुष लोगों को बहला-फुसलाकर उनका सामान छीनने और डराकर पैसे वसूलने का काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरोह के खिलाफ मुकदमा नंबर 162, दिनांक 08-08-2026 दर्ज किया गया है। मामले में BNS की धाराएं 304(2), 111, 190 और 191(3) लगाई गई हैं। पुलिस ने इस मामले में कुल 28 लोगों को नामजद किया है।

14 अगस्त को दरेसी ग्राउंड में सजेगी 'एक शाम भगवान शिव के नाम'

लुधियाना/यूटर्न/09 अगस्त। भगवान शिव की भक्ति को समर्पित विशाल धार्मिक कार्यक्रम 'एक शाम भगवान शिव के नाम' का आयोजन 14 अगस्त को दरेसी ग्राउंड लुधियाना में किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 6:30 बजे शुरू होगा, जिसमें प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर अपनी भक्तिमयी प्रस्तुति देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, अशोक पराशर पप्पी, मदन लाल बग्गा, राजिंदरपाल कौर छीना और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने बताया कि कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल, सफाई, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी श्रद्धालु के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देगा।

10 अगस्त को राष्ट्रीय डी-वर्मिंग दिवस, 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को मिलेगी निःशुल्क दवा

दलजीत अजनोहा

होशियारपुर। बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाने तथा उनके स्वास्थ्य, पोषण और शारीरिक विकास को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पंजाब की ओर से 10 अगस्त को राष्ट्रीय डी-वर्मिंग दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान जिले में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों और युवाओं को एल्बेंडाजोल की निःशुल्क खुराक दी जाएगी।

सिविल सर्जन होशियारपुर डॉ. मनदीप कमल ने बताया कि पेट के कीड़ों के कारण बच्चों में खून और आयरन की कमी, कमजोरी, भूख कम लगना, पेट दर्द और कुपोषण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अभियान के तहत जिले के 1,745 सरकारी

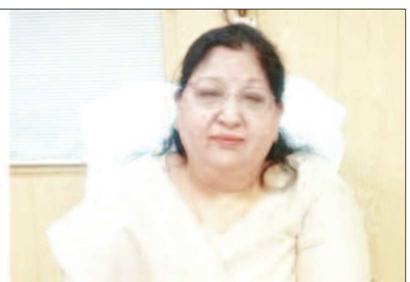

व सहायता प्राप्त स्कूलों, 435 निजी स्कूलों और 1,915 आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को दवा दी जाएगी। करीब 3.60 लाख स्कूली बच्चों और 40 हजार आंगनवाड़ी बच्चों को कवर करने का लक्ष्य है। अभियान के लिए करीब 3.80 लाख एल्बेंडाजोल गोलियां और 10,200 सिरप की व्यवस्था की गई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सीमा गर्ग ने बताया कि 10 अगस्त को दवा लेने से वंचित बच्चों को 17 अगस्त को मॉप-अप दिवस पर खुराक दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अभियान में सहयोग की अपील की है।

एटीएस सोसायटी में रक्तदान शिविर, युवाओं ने दिखाया उत्साह

गुरदर्शन सिंह सैनी ने रक्तदाताओं का बढ़ाया हौसला, बोले- रक्तदान मानवता की सर्वोत्तम सेवा

डेराबस्सी/यूटर्न/09 अगस्त। एटीएस सोसायटी डेराबस्सी में रविवार को मानवता की सेवा के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों और युवाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और रक्तदान करने वाले लोगों का हौसला बढ़ाया। उनके साथ जिला ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सैनी भी मौजूद रहे। गुरदर्शन सिंह सैनी ने

कहा कि रक्तदान ऐसी सेवा है जिसका कोई विकल्प नहीं है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान दुर्घटना में घायल, गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज या अन्य जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से रक्तदान के प्रति आगे आने और समाज में इसके महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने की अपील की।

युवाओं को रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान सैनी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं और आवासीय सोसायटियों की ओर से समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाने चाहिए।

ब्लैक गाउन में हुमा कुरैशी का ग्लैमरस अंदाज, तस्वीरों ने खींचा ध्यान

अभिनेत्री हुमा कुरैशी एक बार फिर अपने स्टाइलिश लुक को लेकर चर्चा में हैं। ब्लैक शिमरी गाउन में उनका ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट अंदाज देखने को मिला। ड्रेस में दी गई शीयर डिटेलिंग ने उनके लुक को बोल्ड और मॉडर्न टच दिया। खुले वेवी बाल और सटल मेकअप ने उनकी खूबसूरती को और निखारा। हुमा का यह फैशनेबल अंदाज सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। फैंस उनके इस एलिगेंट और स्टाइलिश अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रूस ने भारत के लिए सीधी रेल लाइन का प्रस्ताव दिया, मध्य और दक्षिण एशिया से होकर जाने वाले रास्ते पर नजर

चंडीगढ़/यूटर्न/09 अगस्त। रूस भारत के साथ सीधे रेल फ्रेट (माल ढुलाई) लिंक बनाने की संभावना तलाश रहा है। इससे दोनों देशों को हिंद महासागर से जोड़ने वाला जमीन के रास्ते व्यापार का एक नया रूट बन सकता है। रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने कहा कि मॉस्को को ऐसी रेलवे लाइन की संभावना पर विचार करना चाहिए ताकि मौजूदा समुद्री रास्तों - खासकर बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) - से जुड़े जोखिमों को कम किया जा सके।

यह प्रस्ताव अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली शिपिंग में आ रही रुकावटों के बीच आया है। इस रणनीतिक जलमार्ग से दुनिया का काफी तेल और LNG शिपमेंट होता है, इसलिए यहाँ रुकावटें अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं।

चार देशों से होकर जाने वाला संभावित रास्ता...खुसनुलिन ने कहा कि जमीन के रास्ते कई संभावित रूटों पर विचार किया जा सकता है, जिनमें तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर भारत पहुँचने वाले कॉरिडोर शामिल हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मॉस्को किसी भी ऐसे रास्ते के लिए तैयार रहेगा जो भारत तक भरोसेमंद पहुँच प्रदान कर सके।

रूस की TASS समाचार एजेंसी के अनुसार, खुसनुलिन ने कहा, 'अगर कोई रास्ता भारत तक पहुँच प्रदान करता है, तो वह स्वीकार्य है।' अगर यह प्रस्तावित रेलवे लाइन आखिरकार बन जाती है, तो रूस को समुद्री रास्तों के जोखिम भरे 'चोकपॉइंट्स' (संकरे और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते) का एक विकल्प मिल सकता है और भारत से सामान लाने-ले जाने के लिए एक नया जरिया मिल सकता है।

यह विचार मॉस्को की व्यापारिक रास्तों में विविधता लाने और एशियाई बाजारों के साथ जमीन के रास्ते कनेक्टिविटी मजबूत करने की व्यापक कोशिशों के अनुरूप भी है। रूस और भारत पहले से ही 'इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' (INSTC) के जरिए जुड़े हुए हैं। यह एक मल्टीमॉडल नेटवर्क है जो रेल, सड़क और समुद्र के जरिए ईरान होते हुए रूस को भारत से जोड़ता है। हालाँकि, रूस-भारत सीधा रेल कॉरिडोर कहीं ज्यादा बड़ा और मुश्किल काम होगा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर जाने वाले रास्ते में जटिल भू-राजनीतिक, सुरक्षा और बुनियादी ढाँचे से जुड़ी चुनौतियाँ होंगी, जबकि कई देशों में रेल लिंक बनाने या उन्हें अपग्रेड करने के लिए भारी निवेश और तालमेल की जरूरत होगी।

फिलहाल, यह प्रस्ताव सिर्फ संभावना जाँचने के चरण में है। यह रूस और भारत के बीच किसी मंजूरशुदा रेलवे प्रोजेक्ट या यात्री ट्रेन सेवा की घोषणा नहीं है। फिर भी, यह प्रस्ताव बताता है कि कैसे भू-राजनीतिक रुकावटें मॉस्को को व्यापार के पारंपरिक भूगोल पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं - और कैसे भारत को रूस के वैकल्पिक पूर्वी व्यापार नेटवर्क में एक अहम गंतव्य के तौर पर देखा जा रहा है।

आप नहीं – हैदराबाद के लॉ छात्रों ने CJI को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाने से किया इनकार

चंडीगढ़/यूटर्न/09 अगस्त। NALSAR यूनिवर्सिटी के 2026 के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत को बुलाने के प्रस्ताव का पास होने वाले स्टूडेंट्स के एक बड़े हिस्से ने विरोध किया है। 2026 बैच के 450 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने एक ज्ञापन पर साइन करके यूनिवर्सिटी से इस फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है।

स्टूडेंट्स ने वाइस-चांसलर, रजिस्ट्रार, प्रोफेसर और यूनिवर्सिटी के दूसरे अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि हाल की न्यायिक कार्यवाही के दौरान CJI का जो व्यवहार देखा गया, वह उन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है जिन्हें वे मानते हैं कि एक लॉ यूनिवर्सिटी को बनाए रखना चाहिए। उनकी आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट की हालिया सुनवाई से जुड़ी हैं, जो 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक मार्च से जुड़े प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के आरोपों से संबंधित थी।

स्टूडेंट्स के ज्ञापन के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश ने 23 जुलाई को सुनवाई के दौरान पुलिस की ज्यादती दिखाने वाले कथित वीडियो फुटेज को देखने से इनकार कर दिया था और कहा था कि कोर्ट के पास वीडियो देखने का समय नहीं है। स्टूडेंट्स ने उन आरोपों का भी ज़िक्र किया कि याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों को बीच में ही रोक दिया गया था। ज्ञापन में उखकद्वारा विरोध-प्रदर्शन और भारतीय युवाओं के बारे में की गई टिप्पणियों का भी ज़िक्र किया गया, जिन्हें स्टूडेंट्स ने असंवेदनशील बताया।

स्टूडेंट्स ने अपने पत्र में कहा, युवाओं को 'कॉकरोच' कहने से लेकर पुलिस की बर्बरता के वीडियो न देखने के लिए समय न होने जैसी असंवेदनशील बातें कहने तक, उखकने हम जैसे स्टूडेंट्स के प्रति उदासीनता दिखाई है। स्टूडेंट्स ने जोर देकर कहा कि उनकी आपत्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद के खिलाफ नहीं है। बल्कि, उनका तर्क है कि दीक्षांत समारोह—खासकर भारत की प्रमुख लॉ यूनिवर्सिटी में से एक में—संवैधानिक अधिकारों, न्याय तक पहुंच, जवाबदेही और शिकायतों पर तर्कसंगत बातचीत के मूल्यों को दिखाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मानित व्यक्ति से डिग्री प्राप्त करना, जिनका हालिया व्यवहार उनकी नजर में पुलिस की बर्बरता के आरोपों को नजरअंदाज करने वाला लगता है, उन मूल्यों के अनुरूप नहीं होगा। स्टूडेंट्स ने ठअछरअफ प्रशासन से प्रस्ताव पर फिर से विचार करने और औपचारिक निमंत्रण भेजने से पहले पास होने वाले बैच से सलाह-मशविरा करने की अपील की है। उन्होंने बैठकों और अन्य उचित माध्यमों से यूनिवर्सिटी के साथ बातचीत करने की इच्छा भी जताई है। अहम बात यह है कि छात्रों ने कहा कि दीक्षांत समारोह की तारीख और मुख्य अतिथि का चुनाव अभी तक आधिकारिक तौर पर तय नहीं हुआ है, लेकिन वे चाहते थे कि कोई अंतिम निर्णय लेने से पहले उनकी चिंताओं को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। NALSAR ने इस प्रतिवेदन पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सरकारी शिक्षा व्यवस्था मजबूत करे सरकार, एचकेआरएन जैसी शोषणकारी व्यवस्था हो समाप्त : ओंकार सिंह

अंबाला/यूटर्न/09 अगस्त। इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता ओंकार सिंह ने सरकार से सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) जैसी अस्थायी रोजगार व्यवस्था को समाप्त कर नियमित भर्ती लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति मजबूत शिक्षा व्यवस्था और युवाओं को सम्मानजनक रोजगार देने पर निर्भर करती है। सरकारी स्कूलों को कमजोर करने या स्थायी नौकरियों के स्थान पर ठेका आधारित रोजगार बढ़ाने का सबसे अधिक नुकसान गरीब, किसान और मजदूर परिवारों के बच्चों को होता है। सरकार को स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद भरने, आधुनिक सुविधाएं देने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

ओंकार सिंह ने आरोप लगाया कि एचकेआरएन के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा और नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कई कर्मचारियों से छह दिन काम लिया जा रहा है, जबकि अधिकांश सरकारी विभागों में पांच दिन का कार्य सप्ताह है। उन्होंने कहा कि लाखों शिक्षित युवा रोजगार की प्रतीक्षा में हैं। सरकार वर्षों से खाली पड़े पदों पर नियमित भर्ती करे। शिक्षा और रोजगार युवाओं का अधिकार है, इसलिए कच्ची भर्ती समाप्त कर स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

विदेश में नौकरी का झांसा देकर 17 युवकों को बनाया बंधक, पासपोर्ट जब्त कर खाना भी किया बंद

मोहाली/यूटर्न/09 अगस्त। नौकरी दिलाने के नाम पर एजेंट ने 17 युवकों को विदेश भेजा, जहां कंपनी ने उन्हें बंधक बना लिया। प्रति व्यक्ति एजेंट ने 3.30 लाख लिए। उनके पासपोर्ट तक जब्त कर लिए। यहां तक की कंपनी उन्हें खाना तक नहीं देती थी और बाहर से खाना लाने की उन्हें अनुमति नहीं थी। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब कुछ युवक विदेश में बुरी तरह से बीमार पड़ गए और वह अपने खर्चे पर भारत लौटे। मामला एनआरआई थाने पहुंचा। जांच के बाद सरहिंद निवासी हरजिंदर सिंह की शिकायत पर एनआरआई थाना मोहाली में ट्रैवल एजेंसी संचालक सहित दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान लुधियाना के गांव कालख निवासी कुलविंदर सिंह और निर्भय सिंह के रूप में हुई है। दोनों को बीएनएस की धारा 316(2), 318(4) और इमीग्रेशन एक्ट की धारा 24 के तहत मामले में नामजद किया है।

17 युवकों को विदेश भेजने का दावा...पुलिस को दी शिकायत में हरजिंदर सिंह निवासी सरहिंद ने आरोप लगाया कि 9 सितंबर 2023 को कुलविंदर सिंह के माध्यम से वह 17 युवकों के साथ विदेश गया था। कुलविंदर ने सभी के साथ 450 यूरो मासिक वेतन, सप्ताह में पांच दिन और रोजाना आठ घंटे काम का अनुबंध किया था। विदेश पहुंचने के बाद उन्हें कंपनी में बंधक बना लिया। ना तो तय वेतन दिया गया और न ही खाने-पीने की उचित व्यवस्था की गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि एयरपोर्ट पर ही उनके पासपोर्ट रख लिए गए और उन्हें कंपनी से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। यहां तक कि बाहर जाकर खाना खरीदने पर भी रोक थी। कई बार कुलविंदर सिंह को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

3.30 लाख दिए, 62 हजार की टिकट खुद खरीदी...हरजिंदर ने पुलिस को बताया कि विदेश जाने के लिए उसने कुल 3.30 लाख रुपये दिए थे। इसमें 1.42 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से और 1.88 लाख रुपये नकद दिए गए। आरोप है कि विदेश में खराब खाना खाने के कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे 62 हजार रुपये की टिकट खुद खरीदकर भारत लौटना पड़ा। शिकायत में युवकों को कथित तौर पर फर्जी डिग्री प्रमाणपत्र उपलब्ध करवाए। बाद में अन्य युवक भी अलग-अलग समय पर भारत लौटे, जबकि कुछ डौंकी लगाकर अन्य देशों में चले गए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372